डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 35 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 29 सितंबर से 05 अक्टूबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

योगी के भाषण काफी चर्चित हो रहे हैं !

-क्या प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में हैं योगी आदित्यनाथ

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश में मुसलमानों पर मुकदमे दायर करने के मामले में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर पहुंच गया है। मुसलमानो, मुस्लिम उलेमाओं, मौलानाओं और मुस्लिम नेताओं और मुस्लिम जुलूसों को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के भाषण चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में बरेली के मौलाना तौकीर रजा को लेकर योगी का भाषण पूरे देश में चर्चित हो रहा है। योगी आदित्यनाथ के भाषणों में मुस्लिम समुदाय के प्रति सख्ती भरा लहज़ा तो पहले भी दिखाई देता था, लेकिन अब उनके भाषणों में जिहादियों, मौलानाओं एवं अन्य को सबक सिखाने का लहज़ा रहता है। जब मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी बोलते हैं तो कानून और मर्यादाओं का भी ध्यान नहीं रखते हैं। ऐसा लगता है कि योगी जो बोल रहे हैं वही कानून और वही नियम है। योगी आदित्यनाथ के भाषणों ने उनकी छवि एक मुस्लिम विरोधी नेता की बना दी है। योगी के शासनकाल में सैकड़ो मुसलमानों के मकानो, मदरसों, मस्जिदों को अतिक्रमण के नाम पर बुलडोजर से ढहा दिया गया। कोर्ट से कई बार

योगी सरकार और अधिकारियों को फटकार मिली लेकिन मामला थमता नजर नहीं आता है।

क्या प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं योगी ?

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी अच्छी तरह समझते हैं कि देश में यदि राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचना है, तो हिंदूत्व और सांप्रदायिक राजनीति सबसे ज्यादा फायदेमंद हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में गोधरा कांड का बड़ा योगदान रहा है। मोदी को भाजपा के वफादार समर्थक हिंदूत्व का चेहरा मानते है। भाजपा में यदि समर्थन चाहते हैं तो किसी नेता के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मुस्लिम विरोध और हिंदूत्व की छवि बनाएं। योगी आदित्यनाथ की छवि उनके भाषण और सख्त राजनीति तरीका उनको मोदी से भी ज्यादा भाजपाइयों में लोकप्रिय बना रहा है। भाजपाइयों में ऐसे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और सदस्य हैं जो मोदी के बाद योगी को देश का प्रधानमंत्री बनता देखना चाहते हैं। यह बात मुख्यमंत्री योगी भी अच्छी तरह जानते हैं कि वह जब ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं तब उनकी छवि देश में और भाजपा कार्यकर्ताओं में हार्डकोर हिंदू नेता की बनेगी। इसलिए कहा जा सकता है कि यह योगी का देश का अगला प्रधानमंत्री बनने का प्रयास हो सकता है। क्योंकि विकास के मुद्दों पर देश में सफल राजनीति नहीं की जा सकती है?

आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे पर आपत्ति क्यों ?

-क्या भाजपा के लिए यह राजनीतिक मुद्दा बन सकता है?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से शुरू हुआ धार्मिक नारा अब उत्तर प्रदेश सरकार के लिए राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आई लव मोहम्मद (स. अ.) लिखे बैनर, पोस्टर लेकर चलने वालों पर एफआईआर दर्ज करना शुरू कर दिया है। कानपुर, मुरादाबाद, बरेली में आई लव मोहम्मद (स. अ.) लिखे पोस्टर, बैनर लेकर चलने वालों पर बड़ी संख्या में एफआईआर दर्ज की गई है और बैनर, जुलूस लेकर रैली निकालने वालों पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने लाठी चार्ज किया और गिरफ्तारियां की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस धार्मिक नारे को पूरी तरह दो समुदायों के बीच धार्मिक और राजनीति का मामला बना दिया है। आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे को लेकर माहौल गर्म होता जा रहा है। बरेली में मौलाना तौकीर रजा सहित 2000 लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया। धार्मिक मुद्दे का मामला

अब उत्तर प्रदेश से निकलकर बिहार, उत्तराखंड एवं मध्य प्रदेश तक पहुंचता नजर आ रहा है। आई लव मोहम्मद (स. अ.) नारे का समर्थन एम आई एम सुप्रीमों असासुद्दीन ओवैसी, भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने किया है। केंद्र की भाजपा सरकार ने इस मामले पर अभी तक अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने इस मामले को पूरी तरह कानून व्यवस्था से जोड़कर प्रदर्शनकारियों पर कार्यवाही कर रहे हैं। मुस्लिम राजनीतिज्ञों का कहना है कि मोहम्मद (स. अ.) से दुनिया का हर मुसलमान मोहब्बत करता है और दिलों से हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को नहीं निकाल सकता है लेकिन मुसलमानों को सड़कों पर उतर कर कानून व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

राज्य सरकार ने गौशालाओं के लिए बढ़ाया अनुदान - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में गौ माता को विशेष महत्व दिया गया है तथा गाय को देवत्व का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए पंजीकृत गौशाला के लिए मिलने वाले अनुदान को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति गाय प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन किया है। शर्मा रविवार को डीग जिले के गुहाना स्थित जड़खोर गौ-धाम में आयोजित श्री कृष्ण बलराम गौ-आराधन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में प्रदेश के लघु एवं सीमान्त किसानों को बैलों से खेती करने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष देने का प्रावधान किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प से सनातन संस्कृति का हो रहा उत्थान -

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से पूरे देश में सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तथा महाकाल कॉरिडोर का निर्माण हमारी विरासत को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने खाटूश्याम जी मंदिर, पूंछरी का लौठा सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बजट में प्रावधान किए हैं। साथ ही हमारी सरकार भगवान श्री कृष्ण के जीवन से जुड़े स्थलों को श्रीकृष्ण गमन पथ के रूप में विकसित कर रही है।

भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप श्रीमद्भागवत् -

शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में संतों-महंतों का विशेष महत्व है। श्रीमद्भागवत् भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है तथा हमारे जीवन के लिए मार्गदर्शक है। इसके दर्शन मात्र से जीवन में सुख, शांति और संतोष प्राप्त होता है। हमें इन आदर्शों को अपने आचरण में अपनाना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि सभी संस्कृति के संरक्षण एवं गौ माता की सेवा का संकल्प लें। राज्य सरकार हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाने के लिए तत्पर है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने श्री जड़खोर गोष्ठ बिहारी मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए और कामधेनु गोशाला में गौ-पूजन कर गाय को गुड़ व हरा चारा खिलाया। साथ ही शर्मा ने परम पूज्य स्वामी श्रीराजेन्द्रदास देवाचार्यजी महाराज के श्रीमुख से भागवत कथा का श्रवण किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक नौक्षम चौधरी सहित विभिन्न साधु-संत एवं बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

भाजपा नेताओं को क्या हो गया है?

-कोई तोड़ने-फोड़ने की बात कर रहा है, तो कोई कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गोली मारने की बात कर रहा है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश की राजनीति किस तरफ जा रही है? अफसोस की बात है। जहां देश के युवाओं को एजुकेशन एवं रोजगार की जरूरत है और देश को विकसित करने के लिए जनता को प्रशिक्षण और कुशल बनाने की जरूरत है। वहीं कुछ लोग, नेता और धार्मिक लोग नफरत के बीच बोकर जनता को लड़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक विशेष समुदाय के लिए डेंटिंग-पेंटिंग और साथ पीढ़ियों को सबक सिखाने की धमकी दे रहे हैं। तो दूसरी तरफ भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सीने पर गोली मारने की बात की है। इसी तरह केंद्रीय कपड़ा

मंत्री गिर्राज किशोर ने हलाल और झटका मीट के प्रयोग की बात करके दोनों समुदायों को बांटने की कोशिश की है। देश को कहां ले जाना चाहते हैं? समझ से परे लगने लगा है। ज्यादातर देश अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए एजुकेशन, रिसर्च एवं विकास पर जोर दे रहे हैं, जबकि भारत देश में नफरत की राजनीति करके जनता को बांटने की कोशिश हो रही है। भारत एक बड़ा देश है। यहां विभिन्न धर्म, समुदाय एवं जाति वर्ग के लोग रहते हैं जिनकी एकता को छिन्न-भिन्न करना आसान नहीं है। इसलिए राजनेताओं को देश की मजबूती के लिए काम करना चाहिए।

बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी मुसलमानों में

-जब तक मुसलमानों के बीच लीडरशिप पैदा नहीं होगी तब तक हालात नहीं बदलने वाले हैं

पटना । जनस्वराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर शर्मा ने कहा है कि मुसलमानों के हालात नहीं बदलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि बिहार

बिहार में मुसलमान सबसे ज्यादा गरीब हैं। दलितों से ज्यादा गरीब है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब तक मुसलमानों के बीच से लीडरशिप पैदा नहीं होगी, जब तक में नीतीश और भाजपा गठबंधन का हारना तय हैं। भाजपा को 40 प्रतिशत हिंदू ही पसंद करते हैं। जबकि देश में 80 प्रतिशत हिंदुओं की जनसंख्या है, यदि 40 प्रतिशत हिंदुओं जो भाजपा को पसंद नहीं करते हैं, को 20 प्रतिशत मुसलमान समर्थन दे दें तो भाजपा की बैसाखी पर टिकी नीतीश सरकार का पतन हो जाएगा। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बिहार में एम वाई समीकरण है। उन्होंने कहा यह समीकरण केवल वही है जहां मुस्लिम उम्मीदवार नहीं है। जहां मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव में है वहां यादव, राजपूत, कुर्मी, ब्राह्मण और दलित भाजपा को वोट देता है और मुसलमान उम्मीदवारों को वोट नहीं देते है। बिहार में एम वाई समीकरण मुसलमानों के साथ दिखावा है। इसलिए मुसलमानों को बिहार में बदलाव के लिए, शिक्षा के लिए एवं रोजगार के लिए स्वराज पार्टी को वोट देना चाहिए।

ओलंपियन शाहिद के पैतृक घर पर क्यों चला बुलडोजर?

-अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं मोहम्मद शाहिद

वाराणसी। सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत वाराणसी में ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी मोहम्मद शाहिद के तीन मंजिला पैतृक मकान पर बुलडोजर चल गया। सोशल मीडिया पर इसको लेकर चर्चा का दौर चल रहा है। यूजर्स प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पद्मश्री मोहम्मद शाहिद 1980 मॉस्को ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम में शामिल थे। मोहम्मद शाहिद के परिवार के कुछ और मकान भी ढहाए गए हैं। दरअसल कचहरी गोलघर इलाके में 26 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। इसकी जद में ओलंपियन का मकान भी आ गया। प्रशासन ने मकान का करीब 10 फीट हिस्सा तोड़ दिया है। लोकनिर्माण विभाग ने कुल 69 मकानों को चिह्नित किया है। इनमें से 35 मकानों को जमींदोज किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि मोहम्मद शाहिद की पत्नी समेत कुछ सदस्यों को मुआवजा मिल चुका है। कुछ लोगों के घर में वैवाहिक कार्यक्रम होने के कारण उन्हें बुलडोजर कार्रवाई से मोहलत दी गई है। 71 लोगों को मुआवजा दिया जा चुका है। तोड़े गए मकानों में ओलंपियन मोहम्मद शाहिद के परिवार से जुड़े मकान भी शामिल हैं। इन्हें मुआवजा मिल चुका है। जबकि पारिवारिक सदस्यों के तीन मकानों पर अभी कार्रवाई नहीं की जा सकी है।

परिवार वालों ने मांगी 14 दिन की मोहलत: एडीएम आलोक वर्मा-

एडीएम ने बताया कि मोहम्मद शाहिद के परिवारवालों से बात हुई है। उन्होंने बताया कि घर में वैवाहिक कार्यक्रम है। परिवार वालों ने 13 –14 दिन का समय मांगा है। उन्हें मोहलत दी गई है। इसके साथ ही उनसे कुछ जरूरी कागजात मांगे गए हैं। इस बीच, मोहम्मद शाहिद के बड़े भाई रियाजुद्दीन की पत्नी नाजनीन ने मुआवजा कम मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंहने कहा कि यदि मुआवजे की राशि और बढ़ी होती तो बहुत मदद मिलती।

2016 में हुआ था निधन-

आपको बता दें कि मोहम्मद शाहिद 1980 में मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में भी शामिल रहे थे। वर्ष 1982 के एशियन गेम्स में रजत पदक और 1986 के एशियाड खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में भी शाहिद शामिल रहे। उन्हें अर्जुन पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनका निधन 20 जुलाई, 2016 को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में हुआ था।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के तर्कों के सामने नतमस्तक पत्रकार और विरोधी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आजकल टीवी चैनलों पर राजनीतिक डिबेट का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। सभी राजनीतिक दल अपने पढ़े लिखे, बोलने में माहिर और तर्कशील एवं हाजिर जवाब देने वाले अपने कार्यकर्ताओं एवं प्रवक्ताओं को टीवी डिबेट में भेजते हैं। क्योंकि यही प्रवक्ता पार्टी की नीति, रीति एवं भविष्य की योजनाओं एवं वर्तमान विचारधारा के आधार पर जनता का जहन बनाते हैं। आजकल टीवी डिबेट में एक नाम टीवी चैनलों पर सबसे ज्यादा उभर कर सामने आया है। जो सबूत, तथ्यों, तर्कों, कानून, धार्मिक आस्थाओं एवं राजनीति की जरूरत के हिसाब से डिबेट करता

है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ऐसा ही चर्चित नाम बन गया है जिसके सामने तर्कों के सामने पत्रकार, एंकर एवं विरोधी राजनीतिक प्रवक्ताओं की बोलती बंद हो जाती है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के साथ बहस करना और वाद-विवाद में भाग लेना आसान नहीं रह गया है। उन पत्रकारों और एंकरों और राजनीतिक प्रवक्ताओं के लिए तो उनसे बहस करना बिल्कुल आसान नहीं है जो झूठ, अफवाह और गैर कानूनी तर्कों का सहारा लेते हैं। राजकुमार भाटी एक तर्कशील, विवेकशील, निडर एवं हाजिर जवाबी राजनीतिक प्रवक्ता हैं। उनके जवाबों को संविधान, समाज, धार्मिक एवं राजनीतिक आधार पर सच मान जा सकता है। विरोधी राजनीतिक प्रवक्ता आप उनके साथ डिबेट और बहस करने से कतराने लगे हैं। देश को ऐसे तर्कशील एवं विवेकशील लोगों की जरूरत है।

चीन ने भारतीय दवाओं से पूरा 30% शुल्क हटाया

-ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली। भारत को दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाना जाता है। भारत दुनिया भर को जेनेरिक दवाएं और टीके का निर्यात करता है। अब चीन की ओर से आयात शुल्क शून्य करते हुए अपना बाजार खोलने से भारतीय फार्मा कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्हें दुनिया की दूसरी सबसे अधिक आबादी वाले चीन के बड़े बाजार में समान अवसर और बेहतर पहुंच मिलेगी। चीन ने भारत के दवा उत्पादों पर 30 फीसदी आयात शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया है। चीन ने यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फार्मा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के ठीक बाद उठाया है। इस फैसले के बाद भारत की दवा बनाने वाली कंपनियां बिना किसी सीमा शुल्क के चीन को दवाएं निर्यात कर सकेंगी। ट्रंप के टैरिफ से अमेरिकी बाजार में लागत बढ़ने के बीच चीन का यह फैसला भारतीय कंपनियों को सस्ती दवाओं की मजबूत मांग वाले वैकल्पिक बाजार के तौर पर उभर सकता है। इससे आने वाले समय में भारतीय दवा निर्यात में अरबों डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ का किया था एलान-

दो दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फार्मा उत्पादों सहित कई चीजों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया था। इनमें फार्मा उत्पादों पर 100 फीसदी का शुल्क प्रमुख था। यह बढ़ा हुआ शुल्क एक अक्तूबर से प्रभावी होगा।

अब सिम की तरह LPG सिलेंडर भी कर सकेंगे पोर्ट

-डिस्ट्रीब्यूटर के साथ तेल कंपनी को भी बदलने का मिल सकेगा विकल्प

नई दिल्ली । क्या आप अपने रसोई गैस सप्लायर से नाराज हैं? अगर ऐसा है, तो जल्द ही आपको राहत मिलने वाली है। मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी की तरह ही, रसोई गैस ग्राहकों को जल्द ही अपने मौजूदा कनेक्शन को बदले बिना एलपीजी वितरक के साथ ही अब उपभोक्ता तेल कंपनी बदलने का भी विकल्प मिलेगा। इससे उन्हें रसोई गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए ज्यादा विकल्प उपलब्ध होंगे और बेहतर सेवा मिल सकेगी। तेल नियामक पीएनजीआरबी ने एलपीजी इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क के तहत हितधारकों और उपभोक्ताओं से मध्य अक्तूबर तक राय मांगी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए नोटिस में कहा है कि जहां किसी स्थानीय वितरक को परिचालन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, वहां पर उपभोक्ताओं पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं ऐसे में उपभोक्ताओं को एलपीजी कंपनी और डीलर चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। बता दें कि दरअसल, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने अक्तूबर 2013 में 13 राज्यों के 24 जिलों में एलपीजी कनेक्शन की पोर्टेबिलिटी को लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था और जनवरी, 2014 में इसका विस्तार पूरे देश में किया गया। उस समय उपभोक्ताओं को केवल अपने डीलर बदलने के सीमित विकल्प दिए गए थे नाखुश होने के बावजूद ग्राहक तेल कंपनी नहीं बदल सकता था। इसका मतलब यह था कि इंडियन ऑयल कारपोरेशन से इंडेन गैस लेने वाले उपभोक्ता के पास इंडेन गैस के डीलर को ही चुनने का विकल्प था।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
• Real Estate Sales & Marketing
• Facility Management Services
2, 3 & 4 BHK Flats
Tialk Nagar, Raja Park, Jawahar Nagar, Aadrsh Nagar, Moti Dungari Road, Fateh Teeba & Nearby Location
+91 8386 94 70 05

युवाओं को जीवन में क्षात्रधर्म के सिद्धांत अपनाने चाहिए- आऊ

-चार दिवसीय क्षत्रिय युवक संघ प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर

चौमू (रॉयल पत्रिका)। ग्राम सिंगोद स्थित जमुवाय माताजी मंदिर में चार दिवसीय क्षत्रिय युवक संघ प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर में रविवार को क्षत्रिय युवक संघ केंद्रीय संचालक गजेंद्र सिंह आऊ ने कहा कि राजपूत समाज के युवाओं को क्षात्रधर्म के सिद्धांत अपनाना चाहिए। प्रशिक्षण शिविर में आसपास के गांवो से 135 स्वयंसेवको भाग लिया है। कार्यक्रम में जागरण प्रार्थना सभा योग खेलकूद अल्पाहार पर चर्चा शाखा पर चर्चा विनोद सभा और शिविर चर्चा की गई। शिविर के दौरान बच्चों को संस्कार और संस्कृति का महत्व बताते हुए इसे निजी जीवन में उतरने के लिए नियमित अभ्यास और अनुशासन अपनाने का संदेश दिया। शिविर में जमवाय माताजी मंदिर ट्रस्ट सिंगोद अध्यक्ष हरि सिंह शेखावत ने बताया कि चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का कल समापन होगा।

जीएसटी स्टीकर वितरण एवं जीएसटी रिफॉर्म का कार्यक्रम हुआ संपन्न

सादिक हिन्दुस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी में किए बदलाव को मद्देनजर रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के आला अधिकारीयों द्वारा जनता को मिली सुविधा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सांगानेर के सिटी एस बस स्टैंड से संपर्क अभियान प्रारंभ किया गया। मुख्य बाजार होते हुए मालपुरा गेट तक जनसंपर्क अभियान रखा गया। इसमें मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, बगरू विधायक कैलाश वर्मा, सांगानेर विधानसभा संयोजक प्रकाश तिवाड़ी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक यादव, ओम प्रकाश शर्मा, सांगानेर व्यापार मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चौधरी एवं सांगानेर मंडल के पदाधिकारी, सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे। इस सुनहरे मौके पर सभी व्यापारियों और आम जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल की गहराइयों से बधाई दी।

"खांसी की दवा" से बढ़ता साइड इफेक्ट

-भरतपुर के बयाना और श्रीमाधोपुर के बाद जयपुर में सामने आया प्रकरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानसरोवर स्थित साकेत अस्पताल में 2 साल की बच्ची को कराया गया भर्ती। बेहोशी की हालत में बच्ची को लाया गया था अस्पताल। फिलहाल स्थिति स्थिर है। परिजनों के मुताबिक बच्ची को दी गई थी सरकारी सप्लाई की डेक्सट्रोमेथॉरफन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप, जिसके बाद अचानक बच्ची की बिगड़ी तबीयत। परिजन लेकर आए थे अस्पताल। इस पूरे मामले में प्रदेशभर में दवा आपूर्तिकर्ता एजेंसी RMSCL में खलबली मची हुई है। RMSCL ने सभी मेडिकल कॉलेज औषधि प्रभारी और जिला औषधि भंडार गृह को पत्र लिखा। पत्र के बाद तत्काल प्रभाव से M/S KAYSONS PHARMA के 21 बेच की सप्लाई को होल्ड कर दिया। इसके साथ ही संबंधित दवा के फील्ड में मौजूद बेच की जांच के लिए उठाए गए सैंपल।

तू निखरती है

ये आग धीमे धीमे कहां सुलगती है
सुलगने पे आतिशफिशां उगलती है
अब इशारों में मोहब्बत नहीं होती
अचानक उपजती फिर खनकती है
प्यार का मौसम तय नहीं होता
इसकी खुशबू ता उम्र महकती है
तल्ख़ रातों का ज़िक्र क्यों न करुं
पसे दीवार संग सुबकती है
ज़िन्दगी छिप के देखती है मुझे
जैसे चिलमन कोई सरकती है
जिस आईने में तुझे देखा लगा
दुश्मनी में भी तू निखरती है
एक सदमें का मुन्तजिर हूं मैं
घर की दीवार भी दरकती है
शौर अब ख़त्म हुआ महफ़िल का
दुनियां फ़ानी है कब ठहरती है

-फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

जमीयत उलेमा तहसील सवाई माधोपुर की महाना बैठक सम्पन्न

-3 अक्टूबर को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक कारोबार बंद रखने की अपील

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को मदीना मस्जिद धनौली मोड़ सूरवाल में जमीयत उलेमा तहसील सवाई माधोपुर की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत सदर मौलाना मुहम्मद अबसार नाशरी ने तिलावत-ए-कुरआन से की। इसके बाद उन्होंने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के उद्देश्यों, अब तक की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में विशेष रूप से 3 अक्टूबर, 2025 को अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक कारोबार बंद रखने का आह्वान किया गया। यह बंद रसूल-ए-पाक हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम से मोहब्बत के इज़हार और वक्फ कानूनों के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि सरकार ने वक्फ के खिलाफ काले कानूनों बिल लाकर देश में नफ़रत का माहौल बनाया और कोर्ट ने क़ानून को रद्द नहीं किया बल्कि कुछ प्वाइंट पर पाबंदी लगाई जबकि एक आम मुसलमान ये चाहता है कि इस क़ानून को रद्द किया जाए बैठक में यह निर्णय किया गया कि मुसलमान पूरे देश में शांतिपूर्ण तरीके से अपना एहतिजाज दर्ज कराएंगे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के लिए जमीयत उलेमा हर संभव प्रयास करेगी और इसके लिए विभिन्न इलाकों के जिम्मेदार पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए। तहसील सवाई माधोपुर के प्रभारी मौलाना मुहम्मद अबसार नाशरी तथा तहसील खंडार के प्रभारी मौलाना शरफुद्दीन जैतपुर बनाए गए। नायब सदर की जिम्मेदारी मौलाना अबसार अहमद नदवी को दी गई। इसके अलावा मौलाना अब्दुल रज़्ज़ाक़ इशाअती, मौलाना नौमान कासमी, मौलाना आरिफ़ इशाअती, मौलाना इकरामुद्दीन मजाहिरी, काज़ी मुहम्मद अनवर, मौलाना गुलशेर अहमद क़ासमी, मौलाना फिरोज साहब और मौलाना शुएब साहब सहित अन्य जिम्मेदार भी शामिल रहे। संगठन का सोशल मीडिया प्रभारी मौलाना इकरामुद्दीन सूरवाल को बनाया गया। बैठक की सरपरस्ती मौलाना गुलशेर अहमद क़ासमी ने की जबकि जिले के जनरल सेकेट्री मौलाना मामून रशीद, हाफ़िज़ मुहम्मद शफीक, मौलाना इमरान, मौलाना शहादत, मौलाना जमशेद, हाफ़िज़ अदनान, हाफ़िज़ वसीम, हाफ़िज़ मसरूर और हाफ़िज़ अनवार ने भी अपने विचार रखे। मौलाना अबसार अहमद नदवी ने अपील की कि डोर-टू-डोर मुहिम चलाकर लोगों को तैयार किया जाए कि 3 अक्टूबर को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक कोई भी मुसलमान बाजार में कारोबार न करे। बैठक का समापन दुआ और सामूहिक भोजन के साथ हुआ। अगली मासिक बैठक 2 नवम्बर 2025 को मखौली की बड़ी मस्जिद में आयोजित की जाएगी।

हर संडे को तहसील परिसर बनता है पार्किंग स्थल, आला अधिकारी बने मूक दर्शक

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर मार्केट की बरसों पुरानी जाम की समस्या का कोई भी स्थाई समाधान नहीं निकल पा रहा है। जनता इधर-उधर भटकने पर हो रही है मजबूर। इसलिए सांगानेर की जनता सांगानेर तहसील के अधिकारियों की सहानुभूति से रविवार के दिन तहसील परिसर को ही पार्किंग स्थल बना लेते हैं। कुछ समय पहले इस तहसील परिसर में गार्ड की तैनाती रहती थी। कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता था। लेकिन अब तहसील के लापरवाह अधिकारियों के द्वारा आंखों में पट्टी बांधकर नियम कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही है। कहने को तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधानसभा सांगानेर है। लेकिन यहां के अधिकांश विभागों में लापरवाह अधिकारियों की मौजूदगी सरकार के नियम कायदे को शर्मसार कर रही है। जो की बहुत बड़ी बात है। क्या सरकार इस ओर ध्यान देगी। या सीएमओ कार्यालय भी कानों में रुई डालकर मूकदर्शक बन तमाशा देखती रहेगी।

सेवा भाव से किया गया कार्य दिलाता है सम्मान

-सहायक निदेशक भंवर लाल जल एवं पर्यवेक्षक भगवान सैनी का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अभिनंदन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग में सहायक निदेशक भंवर लाल जल एवं पर्यवेक्षक भगवान सैनी का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया। इस मौके पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के उप निदेशक कुमार अजय ने दोनों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि राजकीय सेवा में सफलता और सार्थकता दो कसौटी हैं। हम बिना किसी दाग के सफलतापूर्वक अपनी नौकरी पूरी करते हैं, यह एक बात है और उस नौकरी में संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभान्वित करते हैं तो यह सेवा का उत्कृष्ट रूप है। जल और सैनी ने अपनी सेवा में दोनों कसौटियों पर खरा उतरने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा सरकारी नौकरी में सेवा भाव से कार्य करने वाले लोग हमेशा याद किये जाते हैं। विभाग के नरेश कुमार चांवरिया ने दोनों के मृदुल और विनम्र व्यवहार की सराहना की। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रामचंद्र ने भगवान माली की साहित्यिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की और कहा कि राजस्थानी और हिंदी साहित्य में इनका योगदान अच्छा है और सेवानिवृत्ति के बाद इसमें और तेजी से इजाफा होगा, यह उम्मीद है। कार्यक्रम में एएसआई गिरधारी सैनी, बंशीधर भाटी, मुकेश सैनी, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, चूरू के नरेश कुमार चांवरिया, शशि कुमार श्रीमाली, सुल्तान सिंह राजपुरोहित, किशन लाल कुम्हार, संजय देवी, हितेश कुमार कुमावत, निर्मल शर्मा, हितेश कुमार, बसन्त कुमार, देवकीनन्दन शर्मा, लीलाधर माहिच, मनोज सारण, राहुल, नविन्द्र कुमार, पूजा स्वामी, पपीता, विकास कुमारी, मंजु देवी, मनोज नारनोलिया, सलीम खान, सुशील कुमार, संजय कुमार, भारत बीकानेरी, मनीष मीणा, राजकुमार सहारण आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार ने किया।

विभागीय कार्यों व योजनाओं में प्रगति लाये- एडीएम डॉ. सिंह

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में एडीएम डॉ. सिंह ने सभी विभागों के विभागीय कामों योजनाओं व की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने फलैगशिप योजनाओं में जिन विभागों की योजनाएं शामिल है जिनमें ऊर्जा विभाग में कुसुम योजना के बारे में 33 केवीएस, लाडो प्रोत्साहन योजना में लाभान्वितों के, कृषि व बागवानी में तारबंदी फार्म पौंड आदि में विभिन्न प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृतियां, फर्टीलाईजर की स्थिति के बारे में ग्रीन हाउस, ड्रीप योजना, शहरी व ग्रामीण सेवा शिविरों के बारे मे जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार उन्होंने नगर निगम में प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री स्वनिधी योजना, उद्योग में विश्वकर्मा व राइजिंग राजस्थान, पीएचईडी में जल जीवन मिशन, चिकित्सा व सार्वजनिक निर्माण विभाग, वन, शिक्षा मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान योजना, जल संसाधन की प्रगति के बारे में आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने सामान्य दिनों के कामकाज के बारे में पानी, बिजली, सड़क अन्य विभागों के कामों के बारे में निर्देश दिये। इसी प्रकार सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निस्तारण के लिये निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मुकेश चौधरी, यूआईटी सचिव डॉ. पूजा सक्सेना, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शाहपुरा विधायक ने की देवनारायण आवासीय बालिका विद्यालय में वार्डन नियुक्ति की माँग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय विधायक मनीष यादव ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत को पत्र लिखकर देवनारायण आवासीय बालिका विद्यालय, पिपलोद में पूर्णकालिक वार्डन की नियुक्ति की माँग की है। गौतलब है की यह विद्यालय सत्र 2022-23 से संचालित है और वर्तमान में इसका चौथा शैक्षणिक सत्र चल रहा है। इसकी स्वीकृत क्षमता 275 में से लगभग 215 बालिकाएँ छात्रावास में निवासरत हैं। ग्रामीण एवं वंचित वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रावास सुविधा, पोषण आहार एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस विद्यालय की स्थापना की गई थी। परन्तु विधालय में अब तक पूर्णकालिक वार्डन की नियुक्ति नहीं हो सकी है। विधालय में वर्तमान में केवल तीन महिला शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से एक को वार्डन का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। इसके कारण शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है, छात्रावास की प्रशासनिक व अनुशासनिक व्यवस्था कमजोर हो रही है और छात्राओं को अपेक्षित सुरक्षित व प्रेरक वातावरण नहीं मिल पा रहा है। विधायक यादव के निजी सचिव ओमप्रकाश ने बताया की गत रविवार को जनसुनवाई में ग्रामीणजनों व विधालय प्रशासन द्वारा विधायक को अवगत करवाया गया था, जिसको लेकर विधायक ने मंत्री को पत्र लिखकर अवगत करवाया है। विधायक यादव ने मंत्री से आग्रह किया है कि विद्यालय में पूर्णकालिक वार्डन की नियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षित व अनुशासित वातावरण भी प्राप्त हो सके।

सांगानेर विधानसभा का अजूबा सांगानेर हॉस्पिटल की छत बनी पार्किंग स्थल

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर विधानसभा में सांगानेर के अधिकांश विभागों में अजीब किस्से देखने एवं सुनने को मिल जाएंगे। लेकिन सांगानेर की विथा सुनाएं किसको। ना कोई सुनने वाला, और ना कोई अमल करने वाला। सरकारी नुमाइंदे अंधे, बहरे, गूंगे बने हुए बैठे हैं। इसका ताजा उदाहरण सांगानेर का जिला सेटेलाईट सरकारी अस्पताल है। जिसमें सरकारी अस्पताल की छत को पार्किंग स्थल में तब्दील कर दिया गया है। इसकी दो मुख्य वजह है एक तो जिला चिकित्सालय प्रशासन की अदूरदर्शिता के कारण छत पर पार्किंग करने की वजह से चिकित्सालय में आने वाले मरीज एवं स्टॉप की जान को जोखिम में डालना है। क्यों कि वर्षों पुरानी बिल्डिंग में कभी भी हादसा हो सकता है। दूसरी वजह जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुनेश कुमार जैन ने बताया है कि जगह के अभाव की वजह से गाडियों को छत पर लगाया जा रहा है। अस्पताल के सामने जगह है। लेकिन यहां पर सब्जी मंडी वालों ने कब्जा कर रखा है। नगर निगम प्रशासन ध्यान दें तो इसका हल कुछ परसेंट हो सकता है। अब देखने की बात यह है कि यदि कोई हादशा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। जिला चिकित्सा प्रशासन या राजस्थान सरकार सांगानेर की जनता मांग रही है जवाब।

सूफी मुंशी बुर्हान उल्ला का 3 दिवसीय 22 वां उर्स 3 अक्टूबर से

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। चौमू रावण गेट मोहल्ला नागोरियान में सूफी मुंशी बुर्हान उल्ला का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 3 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह कुरान ख्वानी से शुरू होगा जोकि 5 अक्टूबर रविवार को कूल व लंगर के साथ विधिवत सम्पन्न होगा। मोहम्मद फिरोज़ (गद्दीनाशीन) सूफ़ी मुंशी बुरहानउल्ला साहब ने बताया कि 3 अक्टूबर शुक्रवार 2025 को सुबह कुरआन ख़्वानी के साथ मे उर्स का आगाज़ होगा इसी के साथ मे हिन्द मुस्लिम जायरिनों का आना प्रारम्भ हो जाएगा रात्रि 10 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी चौमू के द्वारा मिलाद शरीफ होगी जिसमे खुदा के हुकम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही जाएगी। इसी प्रकार 4 अक्टूबर 2025 शनिवार को चद्दर (दोपहर 2 बजे बाद) फातेहा व रात्रि 10 बजे बाद में राजस्थान की मशहूर कव्वाल पार्टियों में द्दिन मोहम्मद एंड कव्वाल पार्टी द्वारा सम्पूर्ण रात्री तक बाबा की मान मनुहार की जाएगी। इसी प्रकार 5 अक्टूबर रविवार 2025 को कूल व लंगर के साथ में उर्स का समापन होगा। मोहम्मद फरमान पठान व दिनेश मानावत ने बताया कि उर्स की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है।

चौमूं के ही मोरीजा रोड स्थित खुशबू गार्डन में अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं के ही मोरीजा रोड स्थित खुशबू गार्डन में आयोजित अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में चौमूं तहसील के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के मुख्य अतिथि में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ से पहले कृष्णा राधे की तस्वीर की फोटो पर द्वीप प्रचलित कर कार्यक्रम का जनप्रतिनिधि व शिक्षक गण के द्वारा पुष्प की माला चढ़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम होना चाहिए जिससे सभी को एक छत के नीचे बैठने का अवसर मिलता है ऐसे कार्यक्रम हर समय होते रहना चाहिए इसको लेकर सभी को बढ़-चढ़कर इसका ऐसे कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहिए। इस कार्यक्रम के दौरान आए हुए जनप्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की तथा बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षक बन्धुओ व जनप्रतिनिधिओ को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद डॉ. नेमीचंद जी जैन के नेतृत्व में किया गया। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ मूं पदस्थापित किये जाने पर प्रधानाचार्यों द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर जिला यादव समाज के अध्यक्ष डॉ. जगदीश प्रसाद यादव, बंशीधर जी मंडल, राकेश यादव, यादव समाज के महामंत्री शंकर लाल यादव, गोविंदगढ़ पंचायत समिति सदस्य एवं कालाडेराभाजपा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, प्रशासक सरपंच बद्री प्रसाद यादव सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। आप सभी द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत सम्मान के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम की मंच संचालन प्रधानाचार्य कैलाश चंद यादव ने किया।

यादव समाज के बच्चों के लिए लाइब्रेरी भवन जल्द होगा चालू

-सुभाष डागर ने शुरु किए काम

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर बताया कि अब जल्द से जल्दी लाइब्रेरी भवन पर कई वर्षों से यादव समाज के छात्र-छात्राओं को लाइब्रेरी का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इनको इधर-उधर भटकना पड़ रहा था। अब यह जल्दी ही चालू चालू होने समाज के बच्चों को लाभ मिलना तय हो गया है। इसके लिए अब मैं मेरा प्रयास पूरा कर रहा हूं, पहले इसकी साफ सफाई, लोहे का चैनल गेट आदि सहित अन्य कार्य करवाएं ।अब इस लाइब्रेरी भवन के लिए समाज के लोगों ने भामाशाह बनाकर बच्चों के लिए अच्छी सुविधा दिलवाने के लिए समाज के लोग एकत्रित होकर चालू करवाना है के नाम पर रुपए भी दिए गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

-प्रधानमंत्री मोदी की बातों को आत्मसात करें, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहभागी बनें और राष्ट्र निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी जी ने देशवासियों को प्रेरणा से भर दिया। उन्होंने शहीद भगत सिंह जी के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति की सराहना की और उनके द्वारा अंग्रेजी हुकूमत को लिखा गया वह ऐतिहासिक पत्र भी याद दिलाया, जिसमें उन्होंने अपने लिए गोली से सजा माँगी थी। प्रधानमंत्री जी ने भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया और उनके देशभक्ति गीतों की भावनात्मक झलक भी साझा की। प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमारी बेटियों के साहस की मिसाल भी पेश की, दो बेटियों द्वारा लगभग 300 दिनों तक नाव से 14,000 किलोमीटर की कठिन यात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण करना, पूरे देश और विशेषकर हमारी बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का भी उल्लेख किया। राठौड़ ने कहा कि कैसे डॉ. हेडगेवार जी के द्वारा 1925 में विजयादशमी के दिन स्थापित यह संगठन आज एक वटवृक्ष बन चुका है, जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जयंती से खादी अपनाने, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और लोकल फॉर वोकल के संकल्प को दोहराने का आह्वान किया। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही उन्होंने महान कवि व संगीतकार सुधीर फड़के को भी याद किया, जिनके गीतों में राष्ट्रभक्ति की गूंज थी। ऐसे ही अनेक प्रतिभाओं को याद कर प्रधानमंत्री ने हमें प्रेरित किया कि हम भी अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर आने

वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनें। हम सभी कार्यकर्ताओं और प्रदेशवासियों से आह्वान करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी जी की बातों को आत्मसात करें, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में सहभागी बनें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और चरित्र पर सवाल उठाया। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस आज ऐसे-ऐसे व्यक्तियों को अपनी पार्टी में वापस ले रही है, जिनके बयानों और आचरण पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कुछ ऐसे लोग भी उसमें शामिल किए जा रहे हैं, जो कभी बलात्कार जैसी गंभीर घटनाओं पर असंवेदनशील बयान दे चुके हैं, जैसे कि "राजस्थान मर्दों का प्रदेश है।" ऐसे बयानों से न केवल प्रदेश की छवि खराब होती है, बल्कि यह पीड़ितों के प्रति भी घोर असंवेदनशीलता दर्शाता है। राजनीतिक जीवन में व्यक्ति का आचरण, व्यक्तिगत और सार्वजनिक दोनों ही शुद्ध और पारदर्शी होना चाहिए। जब किसी व्यक्ति को पहले पार्टी से निष्कासित किया गया था, तो वह किसी ठोस आधार पर किया गया था। अब यदि उस आधार को समाप्त मान लिया गया है, तो प्रश्न उठता है कि उसकी पुनः वापसी का मापदंड क्या रहा ? क्या कांग्रेस के लिए व्यक्तिगत चरित्र का कोई मूल्य नहीं रह गया है? जबकि भाजपा व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र दोनों को महत्व देती हैं, लेकिन कांग्रेस की नीति शायद इससे भिन्न है। वह किस प्रकार के लोगों को पार्टी में स्थान देती है, यह उनके दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि 25 सितम्बर 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांसवाड़ा में एटॉमिक एनर्जी प्लांट का शिलान्यास कर प्रदेश को एक बड़ी सौगात दी है। यह प्लांट 2800 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन की क्षमता के साथ राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र को सशक्त करेगा। इससे पूर्व केवल रावतभाटा में ऐसा संयंत्र था। यह राजस्थान के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी ने वंदे भारत ट्रेनों की सौगात भी दी, जिससे प्रदेश में यातायात और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी उपलब्धियों के लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं और उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं। मन की बात कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, नाहर सिंह जोधा, प्रभुलाल सैनी, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, स्टेफी चौहान, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आमजन के लिए मददगार बन रहा शहरी सेवा शिविर

-पति-पत्नी ने 68 साल बाद बनवाया जन्म प्रमाण पत्र

-कायस्थों की बगीची और चार दरवाजा के महिला पार्क में लगाया गया कैंप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए हेरिटेज निगम की ओर से

शहरी सेवा शिविर अब आमजन के लिए मददगार साबित हो रहा है। मंगलवार को सुभाष चौक इलाके में चार दरवाजा महिला पार्क में लगे कैंप में एक बुजुर्ग दंपति ने 68 साल बाद अपना जन्म प्रमाण पत्र बनवाया। हवामहल आमेर जोन उपायुक्त सीमा चौधरी ने दोनों को जन्म प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। सीमा चौधरी ने बताया कि चार दरवाजा निवासी बाबू खान ने 68 वर्ष की उम्र और उनकी पत्नी शरीफान ने 63 वर्ष की उम्र में अपना जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कैंप में आवेदन किया, जहां 10 मिनट में उनका सर्टिफिकेट बन गया। बाबू खान ने बताया कि कभी जरूरत नहीं पड़ी तो उन्होंने इसके लिए प्रयास भी नहीं किया, वे मानते थे कि बहुत भीड़ भाड़ में उनका काम नहीं हो पाएगा। आज हमारे वार्ड में कैंप लगा तो सुबह निगम अधिकारी कालोनी में प्रचार कर रहे थे, ऐसे में उन्होंने अपना और अपनी पत्नी के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की सोची। वहीं, कायस्थों की बगीची और चार दरवाजा में लगाए गए कैंप में करीब 2345 लोगों ने अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिए आवेदन किया। कायस्थों की बगीची में महापौर कुसुम यादव ने निरीक्षण किया और जनसुनवाई की, इस दौरान मिश्र राजा जी के रास्ते निवासी संगीता गर्ग का पट्टा संबंधी कार्य भी किया गया। संगीता भी पिछले दो साल से अपने कार्य के लिए परेशान हो रही थी। संगीता गर्ग ने पट्टा नाम ट्रांसफर होने पर महापौर कुसुम यादव और निगम अधिकारियों का धन्यवाद दिया। हवामहल जोन के कैंप में विधायक बाल मुकुंद आचार्य ने निरीक्षण किया और मौके पर ही जन सुनवाई कर कार्यों के निस्तारण कराए। वहीं, निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि अभी तक लगे कैंप में करीब 10 हजार से अधिक लोगों ने निगम सहित अन्य विभागों की विभिन्न शाखाओं में आवेदन किया है, जिनमें कारण आठ हजार लोगों की समस्याओं का निस्तारण किया जा चुका है। हमारी प्राथमिकता जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण की है। इस कार्य में सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निस्तारण करने में लगे हुए है।

खो नागोरियान में स्थानीय समस्याओं को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खो नागोरियान स्थित करीम नगर विकास समिति की ओर से 28

सितम्बर, रविवार शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर समिति पदाधिकारियों ने बताया कि करीम नगर, रहीम नगर, गांधी विहार, करीम नगर विस्तार, रवि विहार सहित वार्ड 114 की कई कॉलोनियों में अब तक सीवरेज लाइन नहीं डाली गई है। इसके चलते लोगों को गंदगी और दुर्गंध की समस्या झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बैठक में अवैध कबाड़ गोदामों पर कार्रवाई न होना, अधूरी सड़कों का निर्माण, जगह-जगह कचरे के अंबार और सफाई व्यवस्था की कमी जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने कचरा उठाने वाली गाड़ियों की अनियमितता और प्रशासनिक उदासीनता पर भी नाराजगी जताई। प्रेस को संबोधित करते हुए समिति अध्यक्ष जावेद शेख और सचिव एडवोकेट इंतेखाब आलम ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कॉलोनीवासियों की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही क्षेत्र की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

पीएम कुसुम योजना में 5500 किसानों को मिलेगा सोलर-पंप लगाने का मौका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। किसानों को बिजली संकट से निजात दिलाने के लिए केंद्र सरकार और

राजस्थान सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए प्रधानमंत्री कुसुम योजना (कम्पोनेंट-बी) के तहत जयपुर जिलें के 5500 किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। उप निदेशक उद्यान, हरलाल सिंह बिजारनियां योजना के अन्तर्गत सोलर पम्प की कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा सरकार वहन करेगी, जबकि किसानों को मात्र 40 प्रतिशत राशि देनी होगी एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रेणी के किसानों को 45,000 रूपये का अतिरिक्त छूट देय है। यह योजना राज्यभर में 60,000 किसानों के लिए संचालित की जा रही है। जिसका संचालन उद्यान विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसमें 3 एचपी, 5 एचपी, 7.5 एचपी एवं 10 एचपी क्षमता के सोलर पम्प शामिल हैं। कृषक को सौर उर्जा पम्प संयंत्र लगाने के लिए न्यूनतम 0.40 हैक्टेयर भूमि का होना आवश्यक है। जिन किसानों के विद्त कनेक्शन नही है एवं सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधन जैसे डीजल इंजन आदि पर निर्भर है। कृषक योजना का लाभ लेने के लिए राज किसान पोर्टल पर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। किसानों के सौर उर्जा पम्प संयंत्र लगने से किसानों को प्रतिदिन होने वाले डीजल खर्च एवं प्रतिमाह होने वाले विद्त बिल से छुटकारा मिल सकेगा।

बाल सुधार गृह की तलाशी, 17 मोबाईल फोन मिले

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बीजु जार्ज जोसफ पुलिस आयुक्त जयपुर आयुक्तालय ने बताया की बाल सम्प्रेषण गृह सेठी कालोनी

जयपुर मे विधि से संघर्षरत बाल अपचारियो को निरुद्ध किया जाता है तथा बाल अपचारियो को सुधार के प्रयास किये जाते है। बाल सुधार गृह मे बालको द्वारा लगातार मोबाईल फोनो का उपयोग करने की लगातार शिकायते मिल रही थी जिसको मध्यनजर रखते हुये थानाधिकारी ट्रांसपोर्टनगर की थाना स्तर पर अतिरिक्त जाप्ता उपलब्ध करवाया जाकर गोपनीय तरीके से 24 सितम्बर 2005 को तकनीकी सहायता तथा एच. एच.एम.डी एवं डी.एस.एम.डी तथा अन्य उपकरणो की सहायता ली जाकर योजनाबद्ध तरीके से अलग अलग टीमो का गठन किया जाकर बाल सम्प्रेषण गृह अधीक्षक सुनील भार्गव तथा मौजूद कर्मचारियो के साथ बाल सम्प्रेषण गृह सेठी कालोनी में तलाशी ली गयी। जिसमे अलग अलग कम्पनियो के कुल 17 मोबाईल फोन व 06 मोबाईल चार्जर व 02 ईयर फोन मिले। जिनको कब्जा पुलिस लिया जाकर जप्त किया गया तथा प्राप्त मोबाईलो का विशलेषण एवं जांच शिवदयाल सहायक उपनिरीक्षक के जिम्मे की गयी। जांच जारी है।

जेडीए ने कानोता में 25 बीघा भूमि पर बस रही अवैध कॉलोनी की ध्वस्त

-हिंगोनिया गौशाला की जमीन को भी मुक्त करवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जोन-13 के कानोता इलाके में लगभग 25 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही एक नवीन अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान कॉलोनी में शामिल की गई हिंगोनिया गौशाला की करीब 5 बीघा सरकारी भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जेडीए अधिकारियों के अनुसार, कानोता में कृषि भूमि पर बिना किसी स्वीकृति और भू-रूपांतरण के "सावरियां सिटी" के नाम से अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। कॉलोनाइजर ने भूमि को समतल कर मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, लोहे का स्वागत गेट और सीमेंट के पिलर लगा दिए थे। सूचना मिलने पर जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीनों की सहायता से सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया और कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल कर दिया। इसके अतिरिक्त, दस्ते ने कानोता में ही जेडीए की योजना 'कल्पना नगर एच-ब्लॉक' की सरकारी भूमि पर तारबंदी और मिट्टी की डोल बनाकर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया। जेडीए के अनुसार, अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। वर्ष 2024 से अब तक कुल 1340 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है और 673 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया है। जेडीए के उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने आम

नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण या अतिक्रमण की शिकायत जेडीए के कंट्रोल रूम हेल्पलाइन नंबरों या राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज कराकर इस अभियान में सहयोग करें।

आदर्श नगर में जलेगा 120 फीट का रावण, 90 फीट का मेघनाथ

-दशहरा के दिन 2 अक्टूबर रात 9 बजे होगा महादहन

-10 कारीगरों की मेहनत, 15 लाख की लागत – दशहरा मैदान में दिखेगा भव्य नजारा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इस बार दशहरा पर राजधानी जयपुर में भव्य आयोजन होने जा रहा है।

आदर्श नगर दशहरा मैदान में 2 अक्टूबर की रात बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक, 120 फीट ऊंचे रावण और 90 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतलों का महादहन किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम रात ठीक 9 बजे होगा, जिसके लिए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह भव्य आयोजन शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। इन पुतलों को बनाने में 10 कुशल कारीगरों की टीम पिछले कई हफ्तों से जुटी हुई थी, जिनकी मेहनत से यह कलाकृति तैयार हुई है। बताया जा रहा है कि इस पूरे आयोजन की लागत 15 लाख रुपये है। विजयदशमी के इस पर्व पर आदर्श नगर दशहरा मैदान में विजय का स्वर गूंजेगा और रावण दहन के इस भव्य नज़ारे को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ने की उम्मीद है। नगर निगम और आयोजकों द्वारा सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतज़ाम किए गए हैं। यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता का शानदार संगम पेश करेगा, जिससे दर्शकों को एक यादगार अनुभव मिलेगा।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी भाजपा की तानाशाही का जीता-जागता सबूत - आम आदमी पार्टी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता & राजस्थान सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज ने कहा कि पर्यावरण और शिक्षा सुधार के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाले सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। जिस व्यक्ति ने अपनी जिंदगी देश के लिए समर्पित कर दी, उसे जेल में डालकर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वह सच्चाई से डरती है और हर विरोधी आवाज को कुचलना चाहती है। भारद्वाज ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा उसी राह पर चल रही है जिस पर कभी कंस चला था। जिस तरह कंस भविष्यवाणी से भयभीत होकर अपनी बहन की कोख से जन्में मासूम बच्चों का वध करता था, उसी तरह भाजपा हर आंदोलन को जन्म लेते ही कुचलने का षड्यंत्र रचती है। यह सरकार इतनी हताश और निराश हो चुकी है कि उसे हर जगह अपने अंत की आहट सुनाई देने लगी है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भी

भारतवासियों की जुबान बंद कराने के लिए झूठे मुकदमे गढ़े, लाठियाँ चलवाईं और जेलों में ठूँसा। आज भाजपा उसी अंग्रेजी हुकूमत की नक़ल कर रही है। जो भी व्यक्ति जनता की आवाज़ बनता है, जो भी देश की सच्चाई सामने लाता है, उसे बदनाम करने और जेल में डालने की साजिश रची जाती है। आम आदमी पार्टी चेतावनी देती है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को कभी दबाया नहीं जा सकता। सोनम वांगचुक जैसे देशभक्तों को सलाखों के पीछे डालकर भाजपा खुद अपनी कब्र खोद रही है।

नशे के सौदागरों पर पुलिस का शिकंजा, कमिश्नर ने किया बड़े एक्शन का ऐलान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ पुलिस ने 25 सितम्बर से अभियान तेज की गाज गिरेगी और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान

कर दिया है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने नशे के सौदागरों के खिलाफ एक सख्त एक्शन प्लान की घोषणा करते हुए कहा है कि नशा तस्करों पर अब सख्ती के तहत इस साल अब तक बड़ी सफलता हासिल हुई है। जयपुर पुलिस ने इस वर्ष अब तक कार्रवाई करते हुए करीब 11 करोड़ रुपये के अवैध मादक पदार्थ जब्त किए हैं। यह कार्रवाई शहर में नशे के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने एक बयान में स्पष्ट किया कि जयपुर को नशा मुक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "नशा तस्करी एक गंभीर अपराध है जो हमारे युवाओं और समाज को खोखला कर रहा है। जयपुर पुलिस ऐसे सौदागरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है और आने वाले दिनों में यह अभियान और भी तेज किया जाएगा।" पुलिस के इस बड़े एक्शन से नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब शहर के विभिन्न हिस्सों में अपने खुफिया तंत्र को और मजबूत कर रही है ताकि छोटी से छोटी जानकारी पर भी तुरंत कार्रवाई की जा सके।

ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर में कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत जयपुर शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु रिछपाल सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एव नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय जयपुर की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध आसूचना संकलन व इलाकों में निगरानी रखी जाकर प्राप्त सूचनाओं पर पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर जयपुर उत्तर की टीम के साथ कार्यवाही करते हुये मादक पदार्थ तस्कर रोहित सांसी व काजल सांसी को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही पुलिस-

उक्त कार्यवाही के सम्बन्ध में पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर जयपुर उत्तर में प्रकरण संख्या 326/2025 धारा 8/20 व 8/21 एन.डी.पी.एस. एक्ट में दर्ज किया गया।

बरामदगी-

आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 31 ग्राम स्मैक व 3 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद करने में सफलता अर्जित की गयी।

तरीका वारदात-

आरोपीगण अवैध मादक पदार्थ स्मैक व गांजा की छोटी-छोटी पूडिया बनाकर ट्रांसपोर्ट पुलिया के नीचे आमागढ, अंगूरी सांसी के घर पर बेचान करते हैं।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या आजम खान भाजपा में जाएंगे !

उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आज़म खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया है। आजम खान 10 बार विधायक दो बार सांसद और उत्तर प्रदेश सरकार में दर्जनों विभागों के मंत्री रह चुके हैं। एक समय था जब आजम खान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के दाएं हाथ माने जाते थे। आजम खान ही है जिन्होंने उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को समाजवादी पार्टी एवं मुलायम सिंह के साथ जोड़ने में बड़ा योगदान रहा है। आजम खान उत्तर प्रदेश के ऐसे नेता रहे हैं जिन्होंने मुसलमानों की शिक्षा रोजगार एवं सामाजिक विकास पर ध्यान दिया साथ में हिंदू मुस्लिम भाईचारा बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया है। उत्तर प्रदेश में आजम खान के कद का दूसरा मुस्लिम नेता समाजवादी पार्टी में नहीं है। आजम खान समाजवादी पार्टी के ऐसे मुस्लिम नेता है जिन्होंने मुसलमानों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय बनाने में योगदान दिया। जौहर यूनिवर्सिटी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है । समाजवादी पार्टी में इस मुस्लिम नेता के साथ 2017 में कुछ नया होने लगा। देखते देखते 72 मुकदमे सरकार एवं निजी लोगों ने दायर कर दिए जिनमें मुर्गी चोरी, बकरी चोरी, भैंस चोरी, किताब चोरी, जमीन पर कब्जे एवं अन्य मुकदमे दर्ज किये। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने आजम खान को विभिन्न आरोपों में जेल भेज दिया गया। आजम खान को जेल में भेजने के पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक दुश्मनी को माना गया। लेकिन जेल भेजने के लिए आजम खान को कानूनी रूप से कारवाइयां अंजाम दी गई। आजम खान को माननीय न्यायालय से जमानत लेने में तीन-चार वर्ष लग गए। आजम खान का राजनीतिक कैरियर समाप्त करने की कोशिश की गई। इसके बाद आजम खान के विधायक बेटे अब्दुल्लाह आजम और उनकी पत्नी पर भी मुकदमे लगाकर जेल भेजा गया। आजम खान को उनकी पार्टी समाजवादी पार्टी से कोई विशेष सहायता नहीं मिली फिर भी आजम खान उनके परिवार और उनके चाहने वालों ने हार नही मनी। न्यायालयों मैं अपनी बातें रखी और आखिरकार जमानत मिल गई। क्योंकि आजम खान उत्तर प्रदेश के एक बड़े नेता है और जनाधार वाले नेता है। सभी राजनीतिक दल उनका समर्थन चाहते हैं। आजम खान वैसे तो समाजवादी पार्टी के नेता है और अभी भी समाजवादी पार्टी में ही है लेकिन जेल से छूटने के कारणों पर कुछ पत्रकार, राजनीतिक एवं भविष्यवक्ता अलग-अलग डील के कयास लग रहे हैं। कोई कह रहा है कि आजम खान बसपा में जा सकते हैं या फिर समाजवादी पार्टी छोड़कर कोई तीसरी फ्रंट बना सकते हैं। आजम खान की जमानत के पीछे कोई डील मानी जा रही है। क्योंकि बसपा को उत्तर प्रदेश में भाजपा के हिती के लिए काम करने वाली पार्टी माना जाता है। यदि वास्तव में आजम खान की भाजपा से कोई छिपी हुई डील हुई तो वह बसपा में जा सकते हैं ? क्योंकि आजम खान भाजपा में जा नहीं सकते लेकिन बसपा में जा सकते हैं। भाजपा के लिए बसपा में रहकर काम कर सकते हैं। यदि आजम खान को जमानत पूरी तरह कानूनी पैरवी और तथ्यों के आधार पर हुई है तो आजम खान को समाजवादी पार्टी के अलावा दूसरी किसी पार्टी में जाने की जरूरत नहीं पड़ेंगी। आजम खान के परिवार पर काफी दबाव हो सकते हैं? जिसके करण आजम खान भी चौकाने वाला निर्णय ले सकते हैं।

शादी और निकाह में क्या फ़र्क़ है?

असल इसका जवाब है कि कोई फ़र्क़ नहीं होना चाहिए। लेकिन आज के वक़्त में आप देखेंगे कि अगर कोई 'शादी' लफ़्ज़ बोलता है, तो उसके ज़हन में आता है - बैंड, बाजा, बारात, बाराती, दहेज़, ये सब आता है। जब कोई कहता है 'निकाह', तो उसके ज़हन में आता है कि बस चंद लोग मस्जिद में बैठे हैं और सादगी के साथ ले आना। सबकी शादी और निकाह, ये कोई अलग-अलग चीज़ नहीं है। फिर क्यों हमारे ज़हन में दो तरीके की बातें आती हैं? इसकी वजह है हमारा मुआशरा (समाज), वो मुआशरा जो अपने फैसले इस्लाम से हट कर करता है। अगर हम नबी पाक (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की सीरत देखें, आपने अपनी बेटी फ़ातिमा का निकाह हज़रत अली (रज़ि०) से किया। उसमें क्या हुआ? बस निकाह पढ़ाया, छुहारे बांटे और चंद तोहफ़ों के साथ अपनी बेटी को रुखसत कर दिया। इतनी आसान शादी! लेकिन आज अगर हम देखें तो इन रस्मों-रिवाज़ के बिना हमारी नाक कट जाती है। बाप अपनी बेटी की शादी के लिए 10 लाख का लोन ले रहा है। बेटी की शादी के बाद वो सारी ज़िंदगी सूद के साथ लोन चुका रहा है। और दूसरी तरफ़ जो लोग दहेज़ लेते हैं, वो भी बेटी को तंग करते हैं, क्योंकि ज़ाहिर है वो लोग सुन्नत को मानने वाले नहीं हैं, तभी दहेज़ लिया। और उस बाप की बेटी दुःख पाती है, जिसमें हमें कई केस देखने को मिले, जिसमें आत्महत्या के केस भी सामने आए हैं। अब इस सब में हमें क्या करना चाहिए? सबसे पहले, अगर आप लड़के वाले हैं तो आज से, अभी से अज़्म (संकल्प) करिए कि दहेज़ नहीं लेंगे, सादगी और सुन्नत तरीक़े पर निकाह करेंगे। और आप लड़की वाले हैं तो अज़्म करें कि पैसे वाला देखकर उसको लोन पर दहेज़ नहीं देंगे, बल्कि दीनदार घराने में निकाह करेंगे, चाहे वो ग़रीब ही क्यों न हो।

-मुहम्मद सोहैल

ग़ीबत: हुक़ूक़-उल-इबाद की सबसे आम ख़िलाफ़वर्ज़ी

इस्लाम में इबादत (उपासना) के दो प्रमुख हिस्से हैं: एक हुक़ूक़-अल्लाह (अल्लाह के अधिकार) और दूसरा हुक़ूक़-उल-इबाद (बन्दों के अधिकार)। अक्सर हम नमाज़, रोज़ा, ज़िक्र जैसी इबादतों को ही दीन समझते हैं और बन्दों के हुक़ूक़ को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जबकि हुक़ूक़-उल-इबाद का मामला ज़्यादा संगीन और नाज़ुक है। अल्लाह चाहे तो अपने हुक़ूक़ माफ़ कर सकता है, लेकिन किसी बन्दे का हक़ तब तक माफ़ नहीं होता, जब तक वह बन्दा ख़ुद माफ़ न कर दे। इसी हुक़ूक़-उल-इबाद में एक ऐसा गुनाह है जिसे हमारे मुआशरे (समाज) ने गुनाह समझना ही छोड़ दिया है, और वो है ग़ीबत (पीठ पीछे बुराई करना)। हम अपनी महफ़िलों में, दोस्तों के साथ उठते-बैठते बड़ी आसानी से दूसरों की ग़ीबत कर जाते हैं और हमें इसका एहसास तक नहीं होता। इसकी संगीनी का अंदाज़ा इस मिसाल से लगाया जा सकता है कि ग़ीबत करना शराब पीने से भी ज़्यादा बुरा हो सकता है। क्योंकि जो शख़्स शराब पीता है, वह कम-से-कम अपने आपको गुनहगार समझता है और शायद तौबा कर ले। लेकिन ग़ीबत करने वाला तो ख़ुद को हक़ पर समझता है, उसे यह गुनाह लगता ही नहीं। जिस गुनाह का एहसास ही मर जाए, उससे तौबा की उम्मीद भी कम हो जाती है। क़ुरआन-ए-करीम ने ग़ीबत करने को अपने मुर्दा भाई का गोश्त खाने के बराबर क़रार दिया है। यह एक ऐसी डरावनी मिसाल है जो इस गुनाह की घिनौनी हक़ीक़त को सामने लाती है। इसलिए, हमें अपनी ज़बान की हिफ़ाज़त करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि दीन सिर्फ़ इबादतों का नाम नहीं, बल्कि दूसरों के हुक़ूक़ अदा करने और उन्हें तकलीफ़ न पहुँचाने का भी नाम है। अगर हमसे कभी ग़ीबत हो जाए, तो सिर्फ़ अल्लाह से माफ़ी मांगना काफ़ी नहीं है, बल्कि उस शख़्स से भी माफ़ी मांगनी होगी जिसका हक़ हमने बर्बाद किया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विशेष आलेख....

अहिंसात्मक आंदोलन के सबसे बड़े जनक थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

महात्मा गांधी आधुनिक भारत के इतिहास के महानतम व्यक्तित्वों में से एक हैं। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम के नेता ही नहीं थे, बल्कि सत्य, अहिंसा और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने वाले दर्शनशास्त्री और कर्मयोगी भी थे। उनका जीवन और विचारधारा केवल भारत में ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया को आज भी प्रेरणा प्रदान करती है। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनके पिता करमचंद गांधी पोरबंदर रियासत के दीवान थे और माता पुतलीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। परिवार का वातावरण धार्मिक और सादगीपूर्ण था, जिसने गांधीजी के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाल्यावस्था में गांधीजी साधारण छात्र थे, परंतु उनमें सत्य बोलने, अनुशासन का पालन करने और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करने की आदत बचपन से ही थी। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में प्राप्त की। आगे की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और लॉ (कानून) की पढ़ाई पूरी करने के बाद वकालत के लिए भारत लौटे।

दक्षिण अफ्रीका प्रवास और संघर्ष-

गांधीजी के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब वे वकालत के काम से दक्षिण अफ्रीका गए। वहां भारतीयों को नस्लीय भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ता था। स्वयं गांधीजी को ट्रेन में प्रथम श्रेणी का टिकिट होते हुए भी अश्वेत होने के कारण बाहर फेंक दिया गया था। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक आंदोलन चलाने का संकल्प लिया। यहीं से "सत्याग्रह" की अवधारणा जन्मी। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया और अंततः सफलता प्राप्त की। उनके इस आंदोलन ने विश्व का ध्यान उनकी विचारधारा की ओर आकर्षित किया। भारत में स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व: 1915 में गांधीजी भारत लौटे और देश की स्वतंत्रता के लिए जन आंदोलनों से जुड़े। उन्होंने भारतीय राजनीति को नया नैतिक दृष्टिकोण दिया। उनके नेतृत्व में अहिंसात्मक आंदोलनों ने स्वतंत्रता संग्राम को जन-जन तक पहुँचाया।

चंपारण और खेड़ा सत्याग्रह-

भारत में गांधीजी का पहला बड़ा आंदोलन बिहार के चंपारण में 1917 में हुआ। यहां नील की खेती करने वाले किसानों पर अंग्रेज अत्याचार कर रहे थे। गांधीजी ने किसानों की मदद की और सत्याग्रह शुरू किया। यह आंदोलन सफल रहा और किसानों को बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार 1918 में उन्होंने गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों के पक्ष में संघर्ष किया, जिससे प्रसिद्ध

"खेड़ा सत्याग्रह" हुआ। असहयोग आंदोलन (1920)1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड ने गांधीजी को गहराई से झकझोर दिया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ असहयोग आंदोलन का आह्वान किया।

अंग्रेजी शिक्षण संस्थाओं, अदालतों और विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दीं। नमक सत्याग्रह और दांडी यात्रा (1930)1930 में गांधीजी ने अंग्रेज सरकार के नमक कानून का विरोध किया। वह साबरमती आश्रम से दांडी तक 385 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले और समुद्र तट पर नमक बनाकर प्रतीकात्मक रूप से कानून तोड़ा। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक चरण साबित हुई।भारत छोड़ो आंदोलन (1942)द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश हुकूमत को गांधीजी ने "भारत छोड़ो" का नारा दिया। इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को निर्णायक रूप से ब्रिटिश शासन के अंत की ओर धकेल दिया।

गांधीजी की विचारधारा-

महात्मा गांधी का दर्शन केवल राजनीतिक आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि जीवन जीने का संपूर्ण तरीका था।गांधीजी का मानना था कि सत्य और अहिंसा ही सर्वोच्च नैतिक मूल्य हैं। वे कहते थे कि किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिंसा का मार्ग उचित नहीं है। उनके लिए साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। गांधीजी ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्त्रों, विशेषकर चरखा और खादी को अपनाने पर जोर दिया। उनका मानना था कि भारतीयों को आत्मनिर्भर बनना चाहिए।सर्वधर्म समभाव गांधीजी धार्मिक सहिष्णुता में विश्वास रखते थे। वे गीता, कुरान, बाइबिल और बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करते थे और सब धर्मों को समान मानते थे। ग्राम स्वराज उनका सपना था कि भारत का वास्तविक विकास गांवों के उत्थान से होगा। उन्होंने ग्राम स्वराज की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें हर गांव आत्मनिर्भर हो।

गांधीजी का वैश्विक प्रभाव-

गांधीजी के विचारों ने केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया। अमेरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला और अनेक अन्य नेताओं ने अपने आंदोलन गांधीजी की अहिंसा की अवधारणा से प्रेरित होकर चलाए।

स्वतंत्रता और विभाजन-

1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। किंतु इसी समय देश का बंटवारा हुआ, जिससे गांधीजी अत्यंत दुखी हुए। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखने के लिए अथक प्रयत्न किए। 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने गांधीजी की हत्या कर दी। उनकी मृत्यु से पूरा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। गांधीजी का चले जाना भारत के लिए अपार क्षति थी। परंतु उनकी विचारधारा आज भी जीवित है। आज के समय में जब पूरी दुनिया हिंसा, आतंकवाद, भेदभाव और असहिष्णुता जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब गांधीजी की विचारधारा और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उनका संदेश है कि शांति, भाईचारा और सहिष्णुता ही मानव समाज की असली शक्ति है। महात्मा गांधी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के "महान आत्मा" थे। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता की मिसाल है। उन्होंने हमें सिखाया कि बिना हिंसा के भी किसी भी शक्ति को पराजित किया जा सकता है। गांधीजी के आदर्श और मूल्य आज भी मानवता के पथ-प्रदर्शक हैं।

भगत सिंह ने असेंबली में बम फैंककर भी भागने से मना कर दिया था

-28 सितंबर 1907 को जन्मे थे शहीद भगत सिंह

भगत सिंह भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिकारी थे आजादी के दीवाने और भारत मां के सपूत क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 में लायलपुर जिले के बंगा में (अब

पाकिस्तान में) सरदार किशन सिंह के यहां हुआ। उनकी स्मृति में अब इस जिले का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह नगर रख दिया गया है। भगत सिंह के पिता गदर पार्टी के सदस्य थे।

शायद इसी का प्रभाव उनके बालमन पर पड़ा आजादी और क्रांति के बीज उनके बाल मन में बचपन में ही फूट चुके थे। भगत सिंह का नाम अमर शहीदों में लिया जाता है उनका पैतृक गांव खटकड़ कलां है जो पंजाब में है शहीद भगत सिंह भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक है जिन्होंने हमें अपने देश के लिए मर मिटने की ताकत दी और यह बताया कि देश प्रेम क्या है। भगत सिंह का जन्म सिख परिवार में हुआ था। जब भगत सिंह का जन्म हुआ तो उनके पिता सरदार किशन सिंह जेल में थे।

सन 1926 में नौजवान भारत सभा में भगत सिंह को सेक्रेटरी बना दिया गया और इसके बाद सन 1928 में उन्होंने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन को ज्वाइन किया इसे चंद्रशेखर आजाद ने बनाया था और पूरी पार्टी को एकजुट करके 30 अक्टूबर 1928 को भारत में आ गए। चंद्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर इन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपुर साहस तथा शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया। पहले लाहौर में बर्नी सैंडर्स की हत्या और उसके बाद दिल्ली की केंद्रीय सांसद (सेंट्रल असेंबली) में बम विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलंदी प्रदान की। इन्होंने असेंबली में बम फेंक कर भी भागने से मना कर दिया जिसके फलस्वरुप अंग्रेज सरकार ने इन्हें 23 मार्च 1931 को उनके दो अन्य साथियों राजगुरु तथा सुखदेव के साथ पंजाबी और उर्दू भाषा के समाचार पत्रों के लिए एक लेखक और संपादक के रूप में भी योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनके क्रांतिकारी विचार बेहद लोकप्रिय हो रहे थे, जिसे साम्राज्य द्वारा एक खतरे के रूप में देखा जा रहा था, आखिरकार अंग्रेजों ने उन्हें उनके साथी क्रांतिकारियों , राजगुरु और सुखदेव के साथ मौत की सजा सुनाई, उनके अनमोल विचार आज भी लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

जलियांवाला बाग हत्याकांड ने बदली जिंदगी-

भगत सिंह की जिंदगी पर जलियांवाला बाग हत्याकांड का बहुत गहरा असर पड़ा था। साल 1919 में अंग्रेजो द्वारा किए गए इस नरसंहार ने भगत सिंह की जिंदगी बदल डाली। इस वक्त भगत सिंह केवल 12 साल के थे। ऐसा कहा जाता हैं कि भगत सिंह ने जलियांवाला बाग में ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ने की कसम खाई थी।

क्या थे आजादी की मायने-

आजादी को लेकर भगत सिंह के विचार काफी अलग थे। उनका मानना था कि भारत को आजादी तब नहीं मिलेगी, जब अंग्रेज देश से चले जाएंगे। भारत तब आजाद होगा, जब ये देश एक ऐसा समाज बन जाए, जहां कोई किसी का शोषण न करें। 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी। लेकिन देश के लोगों ने उनकी रिहाई के लिए प्रदर्शन शुरू कर दिए। इसके चलते ब्रिटिश सरकार को डर सताने लगा कि अगर भगत सिंह को रिहा कर दिया गया तो वे सरकार को जिंदा नहीं छोड़ेंगे इसलिए 23 मार्च 1931 की शाम 7 बजकर 33 मिनट पर भगत सिंह और उनके साथियों सुखदेव, राजगुरु को फांसी दे दी गई।

इस्लाम में दहेज और भारतीय मुस्लिम लड़कियों की बढ़ती मौतें

दहेज, एक सामाजिक प्रथा जिसने लंबे समय से दक्षिण एशिया को त्रस्त कर रखा है, आज भी लोगों की जान ले रही है, परिवारों को बर्बाद कर रही है और महिलाओं की गरिमा को धूमिल कर रही है। हालाँकि भारत में यह सभी धर्मों

में व्याप्त है, लेकिन मुसलमानों में इसकी उपस्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि इस्लाम इस प्रथा को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है। हाल के वर्षों में, दहेज की माँग से जुड़ी युवा मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न, यातना और यहाँ तक कि उनकी मृत्यु की खबरों ने समुदायों को झकझोर कर रख दिया है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 22 वर्षीय मुस्लिम लड़की गुलफिजा, हाल ही में हुई एक ऐसी घटना का शिकार हुई, जहाँ उसके पति ने 10 लाख रुपये की माँग के लिए उसे तेज़ाब पीने के लिए मजबूर किया, जहाँ उसकी खून की उल्टी होने से मौत हो गई। दहेज पर इस्लामी रुख और भारत में मुस्लिम लड़कियों के सामने आने वाली दुखद वास्तविकताओं को समझना इस विरोधाभास को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस्लाम में, दहेज (जहेज़ या दहेज) की कोई अवधारणा नहीं है। इसके बजाय, धर्म महर का प्रावधान करता है, जो दूल्हे द्वारा दुल्हन को दिया जाने वाला एक अनिवार्य उपहार है, जो सम्मान, वित्तीय सुरक्षा और उसके अधिकारों की स्वीकृति का प्रतीक है। महर पूरी तरह से दुल्हन की संपत्ति है, और उसके पति या ससुराल वालों सहित किसी को भी इस पर दावा करने का अधिकार नहीं है। पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें आर्थिक और सामाजिक, दोनों तरह के बोझ कम हों। रिवायतों में बताया गया है कि उनकी अपनी बेटियों की शादी सादगी से हुई थी, बिना किसी विस्तृत माँग या भौतिक अपेक्षाओं के।

इसलिए, आज जिस तरह दहेज प्रथा प्रचलित है, वह एक नवीनता (बिदअत) है जो महिलाओं के प्रति निष्पक्षता, करुणा और सम्मान के इस्लामी मूल्यों के सीधे विपरीत है। इन शिक्षाओं के बावजूद, सांस्कृतिक प्रभावों, औपनिवेशिक काल के व्यक्तिगत कानूनों के संहिताकरण और गैर-इस्लामी परंपराओं की नकल के कारण दहेज प्रथा दक्षिण एशिया के मुस्लिम समुदायों में भी पैठ बना चुकी है। इस्लाम जिसे उत्पीड़न मानता है, वह दुर्भाग्य से कई परिवारों में सामान्य हो गया है। अकेले भारत में हर साल दहेज से संबंधित हजारों मौतें दर्ज की जाती हैं, और मुस्लिम महिलाएं भी इस भयावह आंकड़े से अछूती नहीं हैं। हालाँकि जनसंख्या के आकार के कारण आँकड़े अक्सर हिंदू-बहुल मामलों को उजागर करते हैं, मुस्लिम महिलाओं को भी दहेज से जुड़ी क्रूरता का सामना करना पड़ता है। भारतीय मुसलमानों में दहेज का प्रचलन आस्था और व्यवहार के बीच एक गहरे विरोधाभास को दर्शाता है। एक ओर, मुसलमान कुरान और सुन्नत का पालन करने पर गर्व करते हैं, जहाँ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की जाती है।

दूसरी ओर, व्यवहार में, कई परिवार बेटियों को आर्थिक बोझ समझते हैं, उन्हें एक ऐसी परंपरा के अधीन कर देते हैं जिसे इस्लाम स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। इस्लामी सिद्धांतों के साथ यह विश्वासघात न केवल महिलाओं को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि मुस्लिम समाज के नैतिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। दहेज प्रथा को लागू करने में समुदाय की चुप्पी, और कभी-कभी मिलीभगत, न्याय और दया के पैगम्बरी संदेश को कमजोर करती है। कुरान दूसरों के धन को अन्यायपूर्ण तरीके से हड़पने के खिलाफ चेतावनी देता है, फिर भी दहेज की माँग कुछ और नहीं बल्कि प्रथा के रूप में छिपी हुई जबरन वसूली है। चौंकाने वाली मौतों के अलावा, भारत में अनगिनत मुस्लिम महिलाएँ दहेज के कारण लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव में रहती हैं। नवविवाहित दुल्हनों को अक्सर यह याद दिलाया जाता है कि उनके परिवारों ने क्या दिया या क्या नहीं दिया। यह निरंतर अपमान उनकी गरिमा को छीन लेता है और वैवाहिक जीवन में विषाक्त वातावरण पैदा करता है। माता-पिता भी अक्सर बेटियों के होने पर आर्थिक निराशा महसूस करते हैं, क्योंकि उनमें से कई बेटों की शिक्षा और करियर में निवेश करना पसंद करते हैं, यह मानते हुए कि बेटियाँ दहेज के माध्यम से केवल संसाधनों को ही बर्बाद करेंगी। इस प्रकार, यह प्रथा अप्रत्यक्ष रूप से मुस्लिम परिवारों में निरक्षरता, कम उम्र में विवाह और लड़कियों की उपेक्षा को बढ़ावा देती है। भारत का दहेज निषेध अधिनियम (1961) दहेज की माँग को अपराध घोषित करता है, और भारतीय दंड संहिता की धारा 304B (अब BNS की धारा 79 और 80) दहेज हत्याओं से संबंधित है। हालाँकि कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कमज़ोर है। पीड़ितों को अक्सर धमकियों, पारिवारिक सहयोग की कमी या सामाजिक कलंक के डर से चुप करा दिया जाता है। पुलिस जाँच अधूरी हो सकती है, और अदालती मामले वर्षों तक चलते रहते हैं, जिससे शोकाकुल परिवारों को न्याय नहीं मिल पाता। 0मुस्लिम नेताओं और संगठनों को, केवल कानूनी उपायों पर निर्भर रहने के बजाय, इस समस्या के धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं का सक्रिय रूप से सामना करने की आवश्यकता है। मस्जिदों में तकरीर, शैक्षिक अभियान और समुदाय-नेतृत्व वाले हस्तक्षेप मुस्लिम समाज में दहेज को सामान्य मानने की परंपरा को तोड़ने में मदद कर सकते हैं। दहेज से जुड़ी भारतीय मुस्लिम लड़कियों की बढ़ती मौतें धार्मिक आदर्शों और वास्तविकताओं के बीच एक चिंताजनक अंतर को उजागर करती हैं। इस सामाजिक बुराई से खोई हर जान समुदाय की अंतरात्मा पर एक कलंक है। अगर भारतीय मुसलमानों को न्याय, करुणा और महिलाओं की गरिमा के हिमायती धर्म के अनुयायी के रूप में अपनी पहचान फिर से हासिल करनी है, तो उन्हें दहेज के खिलाफ एक अटूट लड़ाई लड़नी होगी।

माँ-बाप की ख़िदमत: हर इबादत से ऊँचा मक़ाम

इस्लाम में अल्लाह के हक़ के बाद सबसे बड़ा हक़ वालिदैन (माता-पिता) का रखा गया है। दुनिया के तमाम रिश्तों में कोई न कोई ग़रज़ (स्वार्थ) शामिल होती है, लेकिन सिर्फ़ माँ-बाप की मुहब्बत ही ऐसी है जो बिल्कुल बे-ग़रज़ होती है। वे अपनी औलाद के लिए अपनी जान तक क़ुर्बान करने को तैयार रहते हैं और बदले में किसी चीज़ की उम्मीद नहीं करते। इसी बे-ग़रज़ मुहब्बत और क़ुर्बानी की वजह से अल्लाह तआला ने उनका दर्जा बहुत बुलंद किया है।

वालिदैन की ख़िदमत में अल्लाह ने इतना बड़ा अज्र-ओ-सवाब (पुण्य) रखा है कि उसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। हदीस शरीफ़ में आता है कि जो शख़्स अपने वालिदैन को मुहब्बत की नज़र से एक मर्तबा देखता है, अल्लाह तआला उसे एक मक़बूल हज और उमरे के बराबर सवाब अता फ़रमाते हैं।

ख़िदमत या जिहाद?

एक सहाबी, हुज़ूर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की ख़िदमत में हाज़िर हुए और अर्ज़ किया कि या रसूलल्लाह! मैं जिहाद में जाकर सवाब हासिल करना चाहता हूँ। आपने पूछा: "क्या तुम्हारे वालिदैन ज़िंदा हैं?" उन्होंने कहा: "जी, ज़िंदा हैं।" हुज़ूर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने इरशाद फ़रमाया: "जाओ और उनकी ख़िदमत करो। तुम जो अज्र जिहाद से हासिल करना चाहते हो, वो तुम्हें उनकी ख़िदमत से ही मिल जाएगा।" एक दूसरी रिवायत में है कि "उनकी

ख़िदमत में ही जिहाद करो।"

इस वाक़िये से यह गहरा सबक मिलता है कि दीन सिर्फ़ अपने शौक़ और जज़्बात को पूरा करने का नाम नहीं है। दीन का असल तक़ाज़ा यह है कि देखा जाए कि उस वक़्त अल्लाह की तरफ़ से हमारे ऊपर क्या ज़िम्मेदारी है। अगर किसी के वालिदैन को उसकी ख़िदमत की ज़रूरत है, तो उस वक़्त उनके लिए सबसे बड़ा जिहाद और सबसे अफ़ज़ल अमल उनकी ख़िदमत करना ही है, भले ही उसका दिल मस्जिद की पहली सफ़ या जिहाद के मैदान में जाने को क्यों न चाहता हो।

UPPSC ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 1253 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन और फीस जमा करने की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर 2025 तय की गई है। यह भर्ती वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) आधारित ऑनलाइन आवेदन के जरिए होगी।

आवेदन शुरू :
4 सितंबर 2025, लास्ट डेट 6 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों के साथ मास्टर डिग्री।
यूजीसी नेट या समकक्ष परीक्षा (जैसे NET या Ph.D.) पास होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
राज्य के आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
57,700 -1,82,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 125 रुपए
एससी, एसटी : 65 रुपए
दिव्यांग : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए
पूर्व सैनिक : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।
वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।
आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 ऑक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

DRDO में 195 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रक्षा अनुसंधान एंव विकास संगठन (DRDO) ने 195 पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती ट्रेनिंग अनुसंधान केंद्र के लिए की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
27 सितंबर से 28 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस :
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में बीई, बीटेक की डिग्री
टेक्निकल अप्रेंटिसशिप
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
ट्रेड अप्रेंटिस
संबंधित ट्रेड जैसे फिटर, वेल्डर, टर्नर, मैकेनिस्ट, मैकेनिक डीजल, इलेक्ट्रॉनिक-मैकेनिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, लाइब्रेरी असिस्टेंट और COPA उम्मीदवार अप्लाई कर सकते हैं। वे उम्मीदवार जिन्होंने 2021, 2022, 2023, 2024 और 2025 में ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और आईटीआई में 70% या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे ही आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम 18 वर्ष
स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 8000 - 9000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
क्वालिफिकेशन के बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
बीई/बीटेक/डिप्लोमा उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन के लिए nats.education.gov. in और आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस के लिए apprenticeshipindia.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा।
यहां रिसर्च सेंटर इमारत एनरोलमेंट आईडी- STLRA-CO00010 के जरिए आप संबंधित ट्रेड में आवेदन की प्रक्रिया शुरू करें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
• royalpatrika@gmail.com
• +91-9772552446

एमपी में 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPESB) ने 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस बार पुलिस मुख्यालय, गृह विभाग के अंतर्गत सूबेदार (अनुसचिवीय), स्टेनोग्राफर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) के 500 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।
आवेदन में करेक्शन के लिए 22 अक्टूबर तक मौका दिया जाएगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन 10 दिसंबर 2025 से किया जाएगा।

आवेदन शुरू :
03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
1. सूबेदार (अनुसचिवीय) स्टेनोग्राफर
12वीं पास।
मान्यता प्राप्त परिषद/बोर्ड/पॉलिटेक्निक/आईटीआई से 100 शब्द प्रति मिनट की स्टेनोग्राफी परीक्षा पास।
CPCT एग्जाम पास जिसमें हिन्दी टाइपिंग शामिल हो।
DOEACC से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा पास या
आईटीआई से "COPA" (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) का एक वर्षीय कोर्स
या मान्यता प्राप्त संस्थान से आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम या
UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।
2. एएसआई (सहायक उप निरीक्षक – अनुसचिवीय)
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
CPCT सर्टिफिकेट के साथ हिन्दी टाइपिंग पास होना चाहिए।
MCA / BCA / कम्प्यूटर साइंस / आईटी की डिग्री
या AICTE से मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक डिप्लोमा
या DOEACC डिप्लोमा
या आईटीआई से "COPA" एक वर्षीय कोर्स
या आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम
या UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।

फीस :
सामान्य/अनारक्षित : 500 रुपए
एससी / एसटी / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस : 250 रुपए

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
सूबेदार : 36,200 - 114800 रुपए प्रतिमाह
एएसआई : 19,500-6200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
प्रैक्टिकल एग्जाम
एग्जाम पैटर्न :
रिटन एग्जाम :
इसमें सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता और गणित-विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे।
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
प्रैक्टिकल एग्जाम :
शॉर्टहैंड परीक्षा
दोनों परीक्षा के लिए 100-100 अंक तय किए गए हैं।

ऐसे करें आवेदन :
MPESB की ऑफिशियल वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाएं।

SSC CAPF SI भर्ती 2025 के लिए आवेदन शुरू, 3073 वैकेंसी

कर्मचारी चयन आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और दिल्ली पुलिस में SI के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के माध्यम से SI के 3073 पदों को भरा जाएगा। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
फीस का भुगतान 17 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर-दिसंबर 2025 में किया जाएगा। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर टोल फ्री नंबर - 1800-309-3063 पर संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
26 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

शारीरिक योग्यता :
हाइट :
पुरुष : 170 सेमी
महिला : 157 सेमी
पुरुष उम्मीदवारों की छाती : 80-85 सेमी फुलाव के साथ

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
एक्स सर्विसमैन : 3 साल की छूट

सैलरी :
35,400 - 1,12,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
एससी, एसटी, एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क
अन्य : 100 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
टियर - 1
टियर - 2
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
अगर आपने इससे पहले एसएससी का कोई फॉर्म नहीं भरा है, तो पहले Login or Register पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
अपनी बेसिक डिटेल्स भरें और रजिस्ट्रेशन, पासवर्ड जनरेट करें।
फिर लॉग-इन पर जाकर रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड दर्ज करें।
अब दिल्ली पुलिस एसआई भर्ती 2025 के लिंक पर क्लिक करें।
आपके सामने पूरा फॉर्म खुल जाएगा।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
सिग्नेचर और अपना लाइव फोटो कैप्चर करें।
कैटेगरी के मुताबिक फीस का भुगतान करें।
फॉर्म का फाइनल प्रिंट आउट निकालकर रखें।

RRB NTPC ने 8,875 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन किया जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) की ओर से आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट के पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट के लिए कुल 5817 पद और आरआरबी एनटीपीसी अंडर ग्रेजुएट के लिए कुल 3058 पद आरक्षित किए गए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbcdg.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और पूर्व सैनिकों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी - 1 एग्जाम
सीबीटी - 2 एग्जाम
हर गलत उत्तर के लिए 0.25 मार्क्स की निगेटिव मार्किंग भी होगी।

सैलरी :
19,900 - 35,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, महिला, पूर्व सैनिक : 250 रुपए

एग्जाम पैटर्न :
उम्मीदवारों से सामान्य जागरूकता, गणित और रीजनिंग विषय से सवाल पूछे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbcdg.gov.in पर जाएं।
नई रजिस्ट्रेशन के विकल्प पर क्लिक करें।
आपके सामने रेलवे जोन की लिस्ट खुल जाएगी। जिस जोन के लिए फॉर्म भरना चाहते हैं, उस पर क्लिक करें।
Check Ability पर क्लिक करके आगे बढ़ें।
अप्लाई के बटन पर क्लिक करें।
मांगी गई सभी डिटेल्स दर्ज करके फॉर्म भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस भरकर फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)
बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

31. 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) छोटे व्यवसायों को ऋण
b) मुफ्त शिक्षा
c) स्वास्थ्य बीमा
d) आवास निर्माण
उत्तर: a) छोटे व्यवसायों को ऋण
विश्लेषण: यह उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है।

32. भारत का पहला राष्ट्रीय समुद्री विरासत संग्रहालय कहाँ बनेगा?
a) गुजरात b) गोवा
c) ओडिशा d) केरल
उत्तर: a) गुजरात
विश्लेषण: यह समुद्री इतिहास को संरक्षित करेगा।

33. 'राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली' का संबंध किससे है?
a) व्यापार सुगमता b) शिक्षा सुधार c) स्वास्थ्य सेवाएँ
d) पर्यावरण संरक्षण
उत्तर: a) व्यापार सुगमता
विश्लेषण: यह व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को सरल बनाती है।

34. भारत का पहला राष्ट्रीय सुरक्षा विश्वविद्यालय कहाँ है?
a) गुजरात b) दिल्ली
c) हरियाणा d) उत्तर प्रदेश
उत्तर: a) गुजरात
विश्लेषण: यह सुरक्षा अध्ययन को बढ़ावा देता है।

35. 'प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) बुनियादी ढांचा विकास
b) डिजिटल शिक्षा c) स्वास्थ्य सुधार d) पर्यावरण संरक्षण
उत्तर: a) बुनियादी ढांचा विकास
विश्लेषण: यह रसद और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाता है।

36. भारत का पहला राष्ट्रीय AI मिशन कब शुरू हुआ?
a) 2020 b) 2022
c) 2024 d) 2025
उत्तर: c) 2024
विश्लेषण: यह AI प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देता है।

37. 'राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन' का लक्ष्य क्या है?
a) हरित ऊर्जा b) डिजिटल कनेक्टिविटी
c) शिक्षा सुधार d) स्वास्थ्य बीमा
उत्तर: a) हरित ऊर्जा
विश्लेषण: यह स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देता है।

38. भारत का पहला राष्ट्रीय ड्रोन नीति कब लागू हुई?
a) 2019 b) 2021
c) 2023 d) 2025
उत्तर: b) 2021
विश्लेषण: यह ड्रोन प्रौद्योगिकी को नियंत्रित करती है।

39. 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) कारीगरों को सशक्त बनाना
b) डिजिटल शिक्षा c) स्वास्थ्य बीमा
d) आवास निर्माण
उत्तर: a) कारीगरों को सशक्त बनाना
विश्लेषण: यह पारंपरिक कारीगरों को समर्थन देती है।

40. भारत का पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति कब मंजूर हुई?
a) 2020 b) 2021
c) 2022 d) 2023
उत्तर: d) 2023
विश्लेषण: यह निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देती है।

41. 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन' की शुरुआत कब हुई?
a) 2005 b) 2010
c) 2015 d) 2020
उत्तर: a) 2005
विश्लेषण: यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाता है।

42. भारत का पहला राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति कब लागू हुई?
a) 2013 b) 2015
c) 2017 d) 2019
उत्तर: a) 2013
विश्लेषण: यह साइबर खतरों से सुरक्षा प्रदान करती है।

43. 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) फसल बीम b) मुफ्त शिक्षा
c) स्वास्थ्य बीमा d) आवास निर्माण
उत्तर: a) फसल बीमा विश्लेषण: यह किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाता है।

44. भारत का पहला राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति कब लागू हुई?
a) 2009 b) 2011
c) 2013 d) 2015
उत्तर: a) 2009
विश्लेषण: यह आपदा जोखिम को कम करती है।

45. 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' का लक्ष्य क्या है?
a) कौशल प्रशिक्षण b) मुफ्त शिक्षा c) स्वास्थ्य बीमा
d) आवास निर्माण
उत्तर: a) कौशल प्रशिक्षण
विश्लेषण: यह युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करता है।

46. भारत का पहला राष्ट्रीय शिक्षा नीति कब लागू हुई?
a) 1968 b) 1986
c) 1992 d) 2020
उत्तर: a) 1968
विश्लेषण: यह भारत की पहली शिक्षा नीति थी।

47. 'राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन' की स्थापना कब हुई?
a) 2011 b) 2014
c) 2016 d) 2018
उत्तर: b) 2014
विश्लेषण: यह गंगा नदी की सफाई पर केंद्रित है।

48. भारत का पहला राष्ट्रीय वन नीति कब लागू हुई?
a) 1952 b) 1988
c) 1999 d) 2010
उत्तर: a) 1952
विश्लेषण: यह वन संरक्षण को बढ़ावा देती है।

49. 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) जीवन बीमा b) फसल बीमा
c) स्वास्थ्य बीमा d) आवास बीमा
उत्तर: a) जीवन बीमा विश्लेषण: यह कम लागत में जीवन बीमा प्रदान करती है।

50. भारत का पहला राष्ट्रीय जल नीति कब लागू हुई?
a) 1987 b) 2002
c) 2012 d) 2020
उत्तर: a) 1987
विश्लेषण: यह जल संसाधनों के प्रबंधन को बेहतर बनाती है।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

सीने में भारीपन और सांस की तकलीफ

-फेफड़ों की खराब सेहत के ये संकेत न करें नज़रअंदाज

मानव शरीर में फेफड़े (लंग्स) बहुत अहम अंग हैं। यही ऑक्सीजन लेकर पूरे शरीर की कोशिकाओं तक पहुँचाते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालते हैं। अगर फेफड़ों की सेहत खराब हो जाए, तो यह सिर्फ सांस की तकलीफ तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे शरीर पर असर डाल सकती है। दुर्भाग्य से लोग अक्सर शुरुआती लक्षणों को मामूली समझकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं और बाद में गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

लंग्स की खराब सेहत के मुख्य लक्षण

सीने में भारीपन
कई बार लोगों को सीने में दबाव, कसाव या भारीपन महसूस होता है। आमतौर पर इसे गैस या एसिडिटी मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या इसके साथ सांस फूलना, चक्कर आना या पसीना आना जैसे लक्षण हों, तो यह फेफड़ों से जुड़ी बीमारी की ओर इशारा कर सकता है।

सांस लेने में तकलीफ
अगर चलते-फिरते, सीढ़ियां चढ़ते या हल्की गतिविधि करने पर भी सांस फूल रही है, तो यह सामान्य नहीं है। यह क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD), अस्थमा या फेफड़ों में किसी तरह की रुकावट का लक्षण हो सकता है।

सांस लेते समय आवाज आना
सांस लेते समय घरघराहट या सीटी जैसी आवाज आना इस बात का संकेत है कि वायु मार्ग (Airways) में रुकावट है। यह अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस या एलर्जी जैसी समस्याओं से जुड़ा

हो सकता है।

लगातार खांसी
दो-तीन हफ्तों से ज्यादा समय तक चलने वाली खांसी को नज़रअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। अगर खांसी के साथ बलगम या खून आ रहा है, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह टीबी (क्षय रोग), फेफड़ों का संक्रमण या कैंसर का संकेत भी हो सकता है।

थकान और कमजोरी
फेफड़े खराब होने पर शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसका असर सीधे ऊर्जा स्तर पर पड़ता है। मामूली काम करने पर भी थकान या कमजोरी महसूस होना, लंग्स डैमेज की तरफ इशारा कर सकता है।

अचानक वजन कम होना
अगर बिना किसी डाइटिंग या एक्सरसाइज के आपका वजन लगातार कम हो रहा है और साथ में सांस लेने की दिक्कत या खांसी की समस्या भी है, तो यह फेफड़ों की गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

फेफड़ों की बीमारी के मुख्य कारण
धूम्रपान – सिगरेट या बीड़ी पीना फेफड़ों का सबसे बड़ा दुश्मन है। यह लंग कैंसर और COPD का मुख्य कारण माना जाता है। प्रदूषण – लगातार धूल, धुआं और रसायनों के संपर्क में आने से फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। संक्रमण – बार-बार सर्दी-जुकाम, ब्रॉन्काइटिस या न्यूमोनिया जैसी बीमारियां फेफड़ों को कमजोर कर देती हैं। अनुवांशिक कारण – कुछ लोगों में फेफड़ों की कमजोरी जन्म से ही होती है। अस्वस्थ जीवनशैली – खानपान की गड़बड़ी, व्यायाम की कमी और नींद की अनियमितता भी फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है।

कब हो जाएं सावधान?
अगर सीने में लगातार भारीपन बना रहता है। सांस लेने में तकलीफ इतनी बढ़ जाए कि आराम की स्थिति में भी सांस फूलने लगे। खांसी लगातार 2–3 हफ्तों से बनी रहे और दवा से भी राहत न मिले। खांसी में खून या गाढ़ा बलगम आने लगे। अचानक वजन कम हो रहा हो या भूख कम हो गई हो। शरीर में लगातार थकान और कमजोरी बनी रहती हो। इन लक्षणों में से कोई भी नजर आते ही डॉक्टर से मिलकर चेकअप कराना बेहद जरूरी है।

कौन-कौन सी जांच जरूरी होती है?
फेफड़ों की सेहत का पता लगाने के लिए डॉक्टर कई तरह की जांचें करवाते हैं: चेस्ट एक्स-रे – फेफड़ों में किसी तरह का संक्रमण या सूजन का पता लगाने के लिए। सीटी स्कैन – गंभीर या जटिल समस्याओं के लिए। स्पाइरोमेट्री टेस्ट – फेफड़ों की क्षमता और हवा लेने-छोड़ने की क्षमता को मापने के लिए। ब्लड टेस्ट – शरीर में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को जांचने के लिए। ब्रॉन्कोस्कोपी – सांस की नलियों और फेफड़ों की गहराई से जांच करने के लिए।

12वीं के बाद कैसे बनें डॉक्टर या इंजीनियर? करियर काउंसलिंग देगी सही रास्ता

आज के समय में पढ़ाई खत्म करने के बाद सबसे बड़ी उलझन यही होती है कि कौन-सा करियर चुना जाए। खासतौर पर 10वीं और 12वीं के बाद बच्चों और उनके माता-पिता पर करियर चुनने का दबाव सबसे ज़्यादा होता है। अक्सर देखा जाता है कि कई छात्र अपने दोस्तों, रिश्तेदारों या ट्रेंड देखकर करियर चुन लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें लगता है कि यह उनका सही फैसला नहीं था। ऐसे में करियर काउंसलिंग (Career Counselling) छात्रों के लिए एक बेहतर रास्ता बन सकती है।

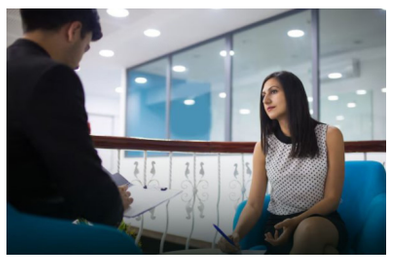

करियर काउंसलिंग क्या है?
करियर काउंसलिंग एक प्रोफेशनल प्रक्रिया है जिसमें करियर काउंसलर छात्र की रुचि (Interest), क्षमता (Ability), योग्यता (Aptitude) और पर्सनैलिटी को समझकर उसके लिए सबसे उपयुक्त करियर ऑप्शन बताता है। इसमें साइंटिफिक टेस्ट, पर्सनैलिटी असेसमेंट और वन-टू-वन गाइडेंस शामिल होते हैं। यह केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनने के लिए ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र—जैसे आर्ट्स, कॉमर्स, मैनेजमेंट, मीडिया, डिजाइनिंग या सरकारी नौकरियों—में मदद करती है।

12वीं के बाद डॉक्टर कैसे बनें?
अगर आपका सपना डॉक्टर बनने का है तो आपको PCB (Physics, Chemistry, Biology) विषय लेकर पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद आप इन स्टेप्स से आगे बढ़ सकते हैं: NEET एग्जाम की तैयारी करें – भारत में डॉक्टर बनने के लिए NEET (National Eligibility cum Entrance Test) पास करना ज़रूरी है। MBBS या BDS में एडमिशन लें – NEET क्वालिफाई करने के बाद आपको मेडिकल कॉलेज में सीट मिल सकती है। MBBS (5.5 साल) पूरी करने के बाद आप MD/MS जैसी स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप BAMS, BHMS, BPT, Nursing जैसे अन्य मेडिकल कोर्स भी चुन सकते हैं। करियर काउंसलिंग यहां आपको यह समझने में मदद करती है कि मेडिकल क्षेत्र के कौन-से कोर्स आपकी रुचि और क्षमता के हिसाब से सही रहेंगे।

12वीं के बाद इंजीनियर कैसे बनें?
इंजीनियर बनने के लिए 12वीं में PCM (Physics, Chemistry, Mathematics) विषय होना ज़रूरी है। इसके बाद: JEE Main और JEE Advanced की तैयारी करें – IIT, NIT जैसे टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन के लिए ये एग्जाम पास करना होता है। B.Tech या B.E. कोर्स करें – यह कोर्स 4 साल का होता है। पढ़ाई पूरी करने के बाद आप M.Tech या MBA भी कर सकते हैं। इंजीनियरिंग में कई शाखाएं होती हैं—जैसे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स आदि। करियर काउंसलिंग से आप यह तय कर सकते हैं कि आपकी रुचि किस इंजीनियरिंग ब्रांच में है और आने वाले समय में किस सेक्टर में ज़्यादा अवसर होंगे।

करियर काउंसलिंग क्यों ज़रूरी है?
सही दिशा देती है – कई बार छात्र केवल फैशन या दबाव में करियर चुनते हैं। काउंसलिंग से वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर तय कर पाते हैं। भविष्य की असमंजस से बचाती है – अगर शुरुआत से सही चुनाव कर लिया जाए तो आगे चलकर पछताना नहीं पड़ता। सही कोर्स और कॉलेज चुनने में मदद करती है – कौन-सा कॉलेज आपके लिए बेहतर है, किस कोर्स का भविष्य अच्छा है, यह सब जानकारी करियर काउंसलर देते हैं। पर्सनैलिटी डेवलपमेंट – काउंसलिंग केवल करियर गाइड नहीं करती बल्कि आपको आत्मविश्वासी और फोकस्ड भी बनाती है।

10वीं-12वीं के बाद आम करियर विकल्प
मेडिकल: MBBS, BDS, BAMS, BHMS, BPT
इंजीनियरिंग: B.Tech, B.E.
कॉमर्स: B.Com, CA, CS, CFA
आर्ट्स/ह्यूमैनिटीज़: BA, BJMC, डिजाइनिंग, UPSC तैयारी
अन्य: होटल मैनेजमेंट, लॉ, फैशन डिजाइनिंग, एनिमेशन, गेमिंग

किसानों एवं आमजन से जुड़ी समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले के किसानों तथा आमजन से जुड़े जनहित के मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्य के पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के नेतृत्व में शुक्रवार 26 सितंबर को जिला कलक्टर कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना आयोजित कर राज्य के मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर बारां को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस संगठन महासचिव कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिला मुख्यालय पर आयोजित एक दिवसीय धरने में हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों, आमजन एवं कांग्रेसजनों को पीसीसी सचिव हंसराज मीणा उदपुरिया, धर्मराज मेहरा, गिरिराज नागर, पीसीसी सदस्य चन्द्रप्रकाश मीणा घोडीगांव, जिला उपाध्यक्ष बृजराज मीणा बोरखेडी, ब्लाक अध्यक्ष रामस्वरूप बैरवा, धर्मेन्द्र यादव, अजीज नाजा, मूलचन्द शर्मा, ओम सुमन मिर्जापुर, भारतेन्द्र सिंह सिसोदिया, मनोज भार्गव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष मनोज नागर रिझिंया, बाबूलाल मीणा, नगर अध्यक्ष प्रशान्त भारद्वाज, डॉ. इजहार खान, हरीश माहेश्वरी, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सत्यनारायण भूमलिया, सेवादल के अशरफ देशवाली, पूर्व अध्यक्ष संध्या जाडेजा, युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष यश जैन भाया, एनएसयूआई के कशिश धाकड, महिला कांग्रेस अध्यक्ष बृजेश वर्मा, पूर्व चेयरमेन कौशल सुमन, रिजवान भाई बालदडा, नवीन उपाध्याय, कौशल किशोर राठौर आदि वक्ताओं ने सम्बोधित किया। धरने को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा आमजन से जुडे मुद्दो को उठाकर भाजपा के नेताओं को सकते में ला दिया है। बारां जिले में अतिवृष्टि के कारण हमारे किसान

भाईयों द्वारा 3-3 बार बुवाई की गई फसलें बर्बाद हो चुकी है तथा 70 प्रतिशत फसलें खराब हो चुकी है। इस विषम परिस्थिति में जब हमारे किसान भाई जूझ रहे है तब भाजपा नेता तमाशबीन बनकर तमाशा देख रहे है। भाया ने कहा कि किसान आंसू बहा रहे है तथा कांग्रेस पार्टी द्वारा किसानों एवं आमजन की पीडा को देखते हुए यह धरना आयोजित कर राजस्थान की भजनलाल सरकार को इंसानियत के नाते किसानों तथा आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की गई है। जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि बारां जिले में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हमारे अन्नदाता किसान भाईयों द्वारा 1, 2 नही बल्कि 3 बार बुवाई की गई फसल नष्ट हो चुकी है तथा सरकार द्वारा अभी तक इनके लिए मुआवजा राशि उपलब्ध नही करवायी गयी है। आमजन से जुडे हुए बिजली, सडक, पानी, शिक्षा, चिकित्सा आदि कार्य अवरूद्ध पडे हुए है। कहीं पर भी धरातल पर डबल इंजन की सरकार नजर नही आ रही है। आमजन के जुडे मुददो की कहीं पर भी सुनवाई नही हो रही है इसलिए कांग्रेस पार्टी को आज यह धरना आयोजित करने की जरूरत पडी। पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने धरने को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रकृति प्रकोप के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी है, किसान भाईयों से केसीसी के समय बीमा राषि काट ली जाती है तथा फसले बर्बाद होने के कारण किसान भाई अपने बेटे-बेटियों का विवाह किस प्रकार कर पाएंगे। पटवारी, कानूनगों कह रहे है कि सरकार का निर्देष है कि 33 प्रतिशत से अधिक खराबा नही बताना है। किसान भाई आगामी 8 दिन में गेहूं, चना, सरसों की फसलों की बुवाई करेंगे लेकिन जिस यूरिया का बेग कांग्रेस शासन में 1200 रूपए में मिलता था वह 1800 रूपए में दिया जा रहा है। इसी के साथ व्यापारियों द्वारा किसानों को जबरदस्ती अटेचमेन्ट किट दिया जा रहा है। राजस्थान की सोई हुई भजनलाल सरकार को जगाने का बेडा हमारे नेता प्रमोद जैन भाया द्वारा उठाया है। बारां शहर की 30 प्रतिशत आबादी तेलफेक्ट्री क्षेत्र मंव निवास करती है लेकिन अभी तक कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृत ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण नही करवाया गया है जबकि यह वर्ष 2024 में ही पूर्ण हो जाना चाहिए था। धरने को किशनगंज की पूर्व विधायक निर्मला सहरिया ओर छबड़ा के पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़ ने भी संबोधित किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा द्वारा धरना कार्यक्रम में पधारने पर सभी किसानों, आमजन, कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। यह रहे उपस्थित- धरना प्रदर्षन के दौरान पूर्व प्रधान निधि चंदेल, सावित्री शाक्यवाल, प्रदीप मेहता, पूजा चंदेल, नवीन सोन, सत्यनारायण चैधरी, खेमराज सिंह रहलाई, शिवशंकर यादव, साजिद हुसैन, सोहनलाल सुमन, राजेन्द्र नामा, पवन शर्मा, सोनू शर्मा, राजेन्द्र वैष्णव, अल्फेज पठान, रामस्वरूप मीणा, विवेक तिवारी, सुरेषचंद भाण्ड, हेमराज गुर्जर, हेमराज भाया, गजेन्द्र सुमन, चितरंजन पाठक, प्रमोद सुमन, हरप्रीत सोढी, जीत वर्मा, धर्मचन्द जैन, विजय चैधरी, गिरिराज मीणा, ललित गालव, नवीन उपाध्याय, महावीर, मिथलेश भार्गव, शीतल भार्गव, कैलाश पारस, प्रमोद जैन टीटू, रामपाल मीणा, रमेष फौजी, मयंक माथोडिया, अक्षय भूमलिया, पीयूष सोनी, शरद शर्मा, धीरज शर्मा, अंकुर सक्सेना, लीलाधर, रोहित सक्सेना, हरिराम ऐरवाल, सत्यनारायण शर्मा, जितेन्द्र वर्मा, राकेश वाल्मिकी, लव पारस, कमलाबाई, कमल यादव, विष्णु शाक्यवाल, राजेन्द्र गहलोत, पुरूषोत्तम नागर, विजय बैरवा, रजनी ओझा, दीपू नागर, मुकेश प्रजापति, अजय दायमा, ओम राठी, पवन पांचाल, अनिल जैन, चन्द्रप्रकाश नागर आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) द्वारा सीरत प्रतियोगिता का सफल आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) के तत्वावधान में रविवार 28 सितंबर को जामिया कोसर स्कूल में एक ज्ञानवर्धक सीरत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता सुबह 11:00 बजे से 12:30 बजे तक चली, जिसमें 96 लड़कियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता पैगंबर हज़रत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के पवित्र जीवन और उनके आदर्शों पर केंद्रित थी, जिसके प्रश्न "हयात ए तैयबा" नामक पुस्तक से लिए गए थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की पवित्र जीवनी (सीरत) को घर-घर तक पहुंचाना और उनके आदर्शों को युवा पीढ़ी तक प्रसारित करना था। कार्यक्रम गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) की सरपरस्त संस्था जमात ए इस्लामी, बारां के अध्यक्ष लईक अहमद की निगरानी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जमात ए इस्लामी के अन्य गणमान्य सदस्य युसूफ राज और जिया उर्रहमान भी

उपस्थित रहे। जी.आई.ओ. बारां की अध्यक्षा गुलफिजा अंजुम ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह प्रतियोगिता समाज में फैली कुरीतियों और बुराइयों के खिलाफ एक मजबूत दीवार का काम करेगी। हमारा विश्वास है कि पैगंबर हज़रत मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के पवित्र जीवन से प्रेरणा लेकर हमारा समाज अधिक नैतिक और सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर होगा।" उन्होंने आगे कहा, "इस पूरे अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए मैं GIO की हमारी समर्पित एसोसिएट मेम्बर्स और सभी मेम्बर्स का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके अथक प्रयासों के बिना यह आयोजन संभव नहीं हो पाता।" इस प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 5,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 3,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र तथा तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 2,000 रुपये नकद, एक ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, टॉप 10 में स्थान बनाने वाली सभी प्रतिभागियों को एक-एक ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता ने न केवल युवा लड़कियों में इस्लामी इतिहास और पैगंबर की शिक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि सामाजिक सुधार में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। ग़ुल्फ़िज़ा ने कहा कि गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन (GIO) एक प्रमुख संगठन है जो पवित्र समाज के निर्माण के लिए लड़कियों और महिलाओं के बीच शैक्षिक, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से इस्लामी मूल्यों और आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

अफवाहों से आहत, अंजुमन सदर माजिद सलीम ने पद से दिया इस्तीफ़ा

-संस्था के सदस्यों ने इस्तीफ़ा खारिज कर पद पर बने रहने का आग्रह किया

बारां (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामिया बारां के सदर माजिद सलीम ने पद से इस्तीफ़ा देने की घोषणा की। उन्होंने अपने इस्तीफ़ा पत्र में लिखा कि संस्था की सेवा और विकास की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी, जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास किया। माजिद सलीम ने अपने कार्यकाल में संस्था की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। इनमें 9 बीघा जमीन का अधिग्रहण कर स्थायी आय का स्रोत तैयार करना, मंगरोल रोड पर सरकार द्वारा आवंटित जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विधायक कोष से 22.50 लाख रुपये की लागत से मैरिज हॉल का निर्माण, और बच्चों की शैक्षिक और तालीमी उन्नति के प्रयास शामिल हैं। माजिद सलीम ने कहा कि उनका मकसद हमेशा संस्था और बच्चों की बेहतरी रहा है, लेकिन कुछ लोगों द्वारा फैलाए जा रहे निराधार अफवाहों से हाड़ौती क्षेत्र में उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई। इस आहत करने वाले माहौल के कारण उन्होंने इस्तीफ़ा देने का

निर्णय लिया। हालांकि, संस्था की बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने उनके इस्तीफ़े को खारिज कर दिया और उन्हें पद पर बने रहने का आग्रह किया। माजिद सलीम ने कहा सदस्यों के भरोसे और सहयोग ने मुझे और मजबूती दी है। मैं मदरसा अंजुमन और बच्चों की बेहतरी के लिए जब भी मेरी जरूरत पड़ेगी में हमेशा तत्पर रहूँगा।

एड. अन्सार इन्दौरी को चेंज मेकर अवार्ड

-देशभर से चुने गए 100 लोगों में हुए शामिल

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट अंसार इंदौरी को देशभर से चुने गए 100 बदलाव लाने वाले व्यक्तियों में शामिल किया गया है। एसोसियेशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेसनल्स के संभागीय अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि संगठन हर वर्ष देशभर में मुस्लिम समाज की शिक्षा, स्वास्थ,वित्त,समाज सेवा,मानवाधिकार संरक्षण सहित कई क्षेत्रों में बदलाव का प्रयास कर रहे 100 लोगों का चयन करता है। संगठन की यह चयन प्रक्रिया कई स्तरों से होकर गुजरती है और समाज के प्रसिद्ध पेशेवर व्यक्तियों की ज्यूरी अंतिम मोहर लगाती है। उन्होंने बताया कि यह अवॉर्ड उन्हें उनके वंचित समुदाय के अधिकारों और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए अद्वितीय योगदान हेतु दिया गया। पुरस्कार समारोह हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। इस पुरस्कार का उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करना और उनके कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना है। यह पुरस्कार मानवाधिकारों के

क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य और नेतृत्व के लिए दिया जाता है। अवॉर्ड मिलने के बाद अंसार इंदौरी के कार्य और अभियानों को व्यापक पहचान मिलेगी।चेंज मेकर अवॉर्ड में चयनित होने पर एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने अपने कार्यों की देशव्यापी पहचान के लिए खुशी जाहिर की और आगे भी समर्पित रूप से काम करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवॉर्ड से न सिर्फ कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि पूरे समाज को मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक किया जाता है।

झालावाड़ राजस्थान पुलिस की बड़ी कार्यवाही

-वाहन चोरी व दलालो के मार्फत राशि लेकर वाहन लौटाने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान, जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 28 सितंबर को बताया कि जिले में बढ़ती जा रही नकबजनी, वाहन चोरी की घटनाओ को गंभीरता से लेते हुये जिले के सभी वृत्ताधिकारियो के नेतृत्व में थानो की टीम गठित कर आपराधिक प्रवृतियो के बदमाशान को चिहिन्त कर अपराधियो की धरपकड के लिए विशेष अभियान चला रखा है। गठित टीम थाना कोतवाली, बकानी, सदर, झालरापाटन की टीमो द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया जाकर वाहन चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर शहर झालावाड़, थाना सदर, झालरापाटन, कोटा शहर व अन्य अज्ञात स्थानो से चुरायी गयी 30 मोटरसाईकिलो को जप्त कर वारदात में शामिल 02 वाहन चोर व 2 दलालो को गिरफ्तार करने में बडी सफलता अर्जित की है। पुलिस कार्यवाही-पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला झालावाड़ में नकबजनी, वाहन चोरी की बढती वारदातो पर अंकुश लगाने व अपराधियो की धरपकड हेतु चिरंजीलाल मीणा अति० पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व हर्षराज सिंह खरेडा वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड के निकटतम सुपरविजन मंअ थाना कोतवाली, प्लान के तहत शहर झालावाड में वाहन चुरा कर भागने वाले रास्तो पर कड़ी नाकाबंदी की जाकर

बकानी, सदर, झालरापाटन की टीमों द्वारा संयुक्त रूप वाहन चोरी, नकबजनी की वारदातो पर अंकुश लगाने व अपराधियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्यवाही करते हुये चोरी की वारदात वाले स्थानो को चिन्हित कर घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर सीसीटीवी फुटेज में आये संदिग्ध व्यक्तियो की निगरानी हेतु चोरी की घटना वाले स्थानो पर सादा वस्त्रो में पुलिस कर्मियो द्वारा निगरानी रखी जाकर वाहन चोरी करने वाली गैंग की पहचान सुनिश्चत की जाकर एक्शन वाहनो के कागजात चैक किये गये व संदिग्ध व्यक्तियो से गहनता से पूछताछ की गयी तो मोटर साइकिले चोरी की होना पाया गया। 02 अभियुक्तो को गिर० कर गहनता से अनुसधांन किया गया। शहर झालावाड, थाना सदर, झालरापाटन,बकानी, कोटा शहर व अन्य अज्ञात स्थानो से चुरायी गयी 30 मोटरसाईकिले को जप्त करने में बडी सफलता अर्जित की है एवं 2 दलालो को भी गिरफ्तार किया गया, 1 दलाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। अभियुक्त सक्रिय शातिर आदतन अपराधी है जिनके विरूद्ध पूर्व में कई प्रकरण चोरी, लूटपाट, नकबजनी व अन्य धाराओ के दर्ज है। उक्त अभियुक्तो से अनुसधांन किया जा रहा है और भी चोरी की वारदाते खुलने की उम्मीद है। वाहन चोर अभियुक्त,1. सुरेश पुत्र सावलिया जाति कंजर उम्र 30 साल निवासी जरेल थाना सदर झालावाड़, 2. विनोद पुत्र महाराम जाति कंजर उम्र 25 साल निवासी जरेल थाना सदर झालावाड़ दलाल अभियुक्त, 1.वेद राज सिंह पुत्र जुगराज सिंह राजपूत उम्र 42 साल निवासी देवनगर थाना सदर झालावाड़ 2. गजराज पुत्र हेमा जाति कंजर उम्र 50 साल निवासी बिरियाखेड़ी कला थाना सदर झालावाड़, 3. सोनू पुत्र दुर्गालाल जाति भील निवासी तीतरवासा थाना सदर झालावाड़ (फरार), तरीका वारदात- वाहन चोरो ने पूछताछ पर बताया कि वाहन चुराने के बाद गाडी की नम्बर प्लेट हटाकर या दूसरी नम्बर प्लेट लगा कर गाडी की पहचान छुपा देते है। गाडियो को छुपाकर नम्बर प्लेट के आधार पर वाहन मालिक का पता लगाकर दलालो के मार्फत वाहन मालिको से सम्पर्क कर गाडी वापस लौटाने के एवज में बडी राशि लेकर वाहनो को सुनसान जगह पर छोड देते है।

जिला कलेक्टर ने किया ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में इस बार सितम्बर माह सिर्फ बदलते मौसम का नहीं, बल्कि आमजन के जीवन में नई रोशनी लाने का गवाह भी बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में "ग्रामीण- शहरी सेवा शिविर 2025" जनकल्याण का ऐसा महाअभियान बन चुका हैं, जो सीधे जनता की उम्मीदों को हकीकत में बदल रहा है। 17 सितम्बर से संचालित इन शिविरों में हजारों लोग वर्षों से अटके दस्तावेज, अधूरी उम्मीदें और लंबित प्रकरण लेकर आते हैं और उसी दिन समाधान पाकर मुस्कुराते चेहरों के साथ घर लौटते हैं। यही कारण है कि आज हर व्यक्ति इन शिविरों की सराहना कर रहा है। इसी सिलसिले में शनिवार को जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने नुकेरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर तथा संगरिया नगरपालिका द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस मौके पर मौजूद आमजन से संवाद कर फीडबैक लिया तथा विभागीय स्टॉलो का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर ने किया शिविरों का निरीक्षण

-लाभार्थियों को किया पट्टों का वितरण

बारां.(रॉयल पत्रिका) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राज्य सरकार के सेवा पर्व पखवाड़े के अंतर्गत जिलेभर में आयोजित हो रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन के लिए राहतकारी सिद्ध हो रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने नगर पालिका अटरु, ग्राम पंचायत दड़ा, पंचायत समिति अटरु तथा ग्राम पंचायत मंडोला में आयोजित सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए। शिविर में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया तथा जरूरतमंद पात्र परिवारों को पट्टे वितरित किए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि सेवा शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान करना और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उनके गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविरों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से आयोजित इन शिविरों में राजस्व, चिकित्सा, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज करवाईं। इस अवसर पर मंडोला

सरपंच (प्रशासक) आशीष नागर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नगरपालिका ऑपरेटर को हटाने व ग्राम विकास अधिकारी को नोटिस जारी-

जिला कलक्टर ने निरीक्षण के दौरान जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों की अत्यधिक पेंडेंसी पर गंभीरता जताई। उन्होंने नगर पालिका अटरु के संबंधित ऑपरेटर को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ग्राम पंचायत दडा के ग्राम विकास अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति चारागाह भूमि में जारी करने तथा प्रथम किस्त का हस्तांतरण करने पर नाराजगी जताई। कलक्टर ने इसे गंभीर त्रुटि मानते हुए संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

मेघवाल जनकल्याण समिति की बैठक में जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल व कोषाध्यक्ष गंगाधर निर्मल को सौंपा चार्ज

-देवविमान यात्रा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया

बारां (रॉयल पत्रिका)। बाबा रामदेव मेघवाल जन कल्याण समिति, जिला बारां की बैठक जिलाध्यक्ष

जगदीश मेघवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिला महामंत्री बद्रीप्रसाद मेघवाल व जिला प्रवक्ता प्रदीप मोतीपुरा ने बताया कि बैठक रविवार 28 सितंबर को दोपहर 12 बजे मेघवाल छात्रावास बाबा रामदेव मंदिर प्रांगण चरीघाट रोड, लंका कॉलोनी बारां पर आहुत की गई। बैठक में डोल ग्यारस पर निकाली गई देव विमान यात्रा के दौरान हुए खर्च के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सीताराम मेघवाल नियाना ने जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल को जिलाध्यक्ष का चार्ज सौंपा। साथ ही बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर भेंट कर जिलाध्यक्ष सहित सम्पूर्ण जिला कार्यकारिणी को अग्रिम शुभकामनाएं दी । वहीं जिला कोषाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल दीलोदा ने जिला कोषाध्यक्ष गंगाधर निर्मल को कोषाध्यक्ष का चार्ज मेघवाल समाज बंधुओं एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थित में सौंपा गया। जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल ने अध्यक्षीय उदबोधन में संबोधित किया व उपस्थित जनों का अभिवादन किया। जिला महामंत्री बद्रीप्रसाद मेघवाल ने बैठक के अंत मे सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक मं जिला महामंत्री नंदकिशोर फूंसरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामगोपाल नाकेदार, रामदयाल किशनगंज, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र बाबा वेल्डिंग, वीरेंद्र शांत, कवि सूरजमल मियाड़ा, रमेशचंद मेघवाल, हंसराज मेघवाल, हेमराज खेड़ली, रामप्रसाद कोटड़ा, सूरज फतेहपुर, रामनारायण मेघवाल, रामस्वरूप खुरी, महासचिव रामबिलास मेघवाल, रामप्रताप मेघवाल, लीलाधर कोटड़ा, पृथ्वीराज मेघवाल, सह कोषाध्यक्ष सुनील मेघवाल, कार्यालय मंत्री घनश्याम पाठेड़ा, मांगीलाल मेघवाल इत्यादि समाज के बंधु व जिला पदाधिकारी मौजूद रहे ।

शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक का एक दिवसीय शैक्षणिक सम्मेलन आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक जिला बाराँ का एक दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन शनिवार

27 सितम्बर को अंजुमन मैरिज हॉल अंजुमन चौराहा बाराँ में संपन्न हुआ। संघ के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद आबिद देशवाली ने बताया कि शिक्षक सम्मेलन की अध्यक्षता शिक्षा अनुदेशक संघ के जिला अध्यक्ष इदरीश मोहम्मद एवं आरिफ क़ाजी ने की। शिक्षक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज लेक्चरर डॉ. शमशाद अहमद रहे, इसके अतिरिक्त प्रदेश कार्यकारिणी के संभागीय अध्यक्ष अनवर अहमद, बारां शहर काजी अब्दुल कय्यूम, पूर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शब्बीर पठान, राकमा के जिला अध्यक्ष रईस अहमद, कार्यकारिणी सदस्य अजीम पठान, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी अ ल्प सं ख्य क विभाग आरिफ हसन एवं हैदर अंसारी ने मंच की शोभा बढ़ाई। शिक्षक अनुदेशक ने एक-एक कर अपने मशवरे दिए और तालीम को बेहतर बनाने के प्रयास के बारे में अपनी कीमती राय रखी। प्रोग्राम की शुरुआत कुराने करीम की पाक आयतों की तिलावत के साथ हुई। इसके बाद नबी कि शान में नात ए पाक पेश कि गई। ज़ोई अलीफ़ अंसारी ने बताया कि मुस्लिम क़ौम में एजुकेशन के पिछड़ेपन को कैसे दूर किया जा सकता है टॉपिक पर खुलकर चर्चा हुई। मांगरोल के नदीम अख्तर ने अपनी शेरो शायरी के माध्यम से अपनी बात रखी। बाराँ के रईस अहमद और छीपाबड़ौद के सईद अहमद ने बताया कि किस प्रकार कम मानदेय में काम करते हुए शिक्षक अनुदेशक को अल्पसंख्यक डिपार्मेंट अन्य कामों में उलझा के रखता है। जो काम डिपार्टमेंट का है जैसे कि लोन रिकवरी यह भी भार शिक्षक अनुदेशक पर डाल दिया जाता हैं जिससे अनुदेशक कि मानसिक दशा और ऊर्जा का नुकसान होता हैं। सीसवाली के फकरुद्दीन ने बच्चों को मोबाइल की बीमारी से छुटकारा दिला कर खेलो से जोड़ने पर जोर दिया। प्रोग्राम में पुरे जिले के शिक्षक अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक ने भाग लिया। जिनमे इरफ़ान मंसूरी, सखावत हुसैन, मंसूर अली, औसफ इमरान, अनवर हाश्मी, मेहफूज़, वाजिद अली, इमरोज़ अंसारी, मुहीउदिन, इमरान अली, वसीम हाश्मी, शगुफ्ता, शमीम, सीमा मंसूरी सहित सेकड़ो की तादाद में शिक्षा अनुदेशक एवं कंप्यूटर अनुदेशक मौजूद रहे।

पाली में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

-सलमान मोयल बने जिला अध्यक्ष

पाली (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने पाली में एसडीपीआई

जिला कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें सलमान मोयल को जिला अध्यक्ष, जाकिर हुसैन गौरी जिला उपाध्यक्ष, शाहरुख अली जिला महासचिव, निजाम खान सिंधी जिला सचिव, युसूफ तिलजी वाला ट्रेजरार ओर शहजाद सिलावट, सोहेल रंगरेज, मेहराज चूड़ीगर, सलीम मोहम्मद, अय्यूब सुलेमानी, शेरू मोहम्मद, मोइनुद्दीन खिलेरी, इमरान बेलिम, इकबाल नगर वाला, नासिर खोकर, असलम हुसैन, हबीब खान, समीर सिपाही, इमरान दुर्वेश, कालू चौहान, इमरान मेव को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया इस दौरान महबूब छिपा धान वाले, अकरम भाटी, सलीम सिलावट, फारुख लुहार, गुलाम हुसैन, सलीम मोयल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाने में शामिल रहे भीलवाड़ा जिला महासचिव आजाद जावेद ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को समाज सेवा के जज्बे के साथ राजनीति करने के लिए प्रेरित किया। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सलमान मोयल ने जिले के सभी समाज को साथ लेकर चलने एवं पार्टी तथा देश ओर जनहित में काम करने का संकल्प लिया।

दूल्हा-दुल्हन से मात्र एक रुपए लेकर कराया जाएगा निकाह

-दुल्हन को 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे, तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की और से पाली में तीसरी बार मात्र एक रुपए में आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह

सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 25 जोड़ो का एक साथ निकाह करवाया जाएगा। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन के परिवार वालों से मात्र एक रुपए लेकर निकाह करवाया जा रहा है। जिसमें अब तक 25 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। समिति के प्रवक्ता मोहम्मद खालिद कादरी ने बताया कि दूल्हा दुल्हन से मात्र एक रुपए लिया जा कर दुल्हन को 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे। जिसमें कुरान शरीफ, जा नमाज, तस्बीह, अलमारी, मसेरी, दीवार घड़ी, बुर्का, बरतन सेट, बाथरूम सेट, गैस चूल्हा, कुकर, पानी का कैम्पर, ब्लैंकेट, दुल्हन के लिए निकाह का जोड़ा, दो लेडीज सूट, कंगन सेट, इस्लामिक बुक्स सहित कुल 21 आइटम गिफ्ट दिए जाएंगे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब जयपुर से तशरीफ लायेंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, चांद मोहम्मद संजरी, शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, इंसाफ भाई सोलंकी, हसन चौहान, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अशरफ खान, अरबाज खान अज्जू, रफीक भाटी, वाहिद खान, परवेज अंसारी, आरिफ नवीन, मोहम्मद शरीफ भाटी, सलीम फ्रूट वाले, गुड् भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, यासीन सबावत, अय्यूब सुलेमानी, रफीक सोलंकी,अनवर हुसैन सोजत, इकबाल भाटी,, आदि कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं।

गीतांजलि यूनिवर्सिटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का भव्य आयोजन

-गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गीतांजलि यूनिवर्सिटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े उत्साह

और जोश के साथ 25 सितम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत एक जागरूकता रैली से हुई। रैली के समापन पर विद्यार्थियों द्वारा एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें समाज को दवाओं के सुरक्षित उपयोग और फार्मासिस्ट की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में गीतांजलि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास, Med-Next Pharma Pvt. Ltd. के प्रबंध निदेशक अनिल के. व्यास, एवं गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. एम.एस. राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वाइस चांसलर और एम.डी. साहब ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। वहीं प्राचार्य डॉ. राठौर ने छात्रों को फार्माकोविजिलेंस (Pharma-covigilance) और एडवर्स ड्रग रिएक्शन (ADR) के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. चेतन मालवीय, डॉ. अराध्य उपाध्याय और डॉ. आफताब आलम ने किया। वहीं स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में आशय, संदीप, उदय, चार्वी, संजना, मुमोक्ष और हेमेंद्र ने अहम भूमिका निभाई। पूरे आयोजन में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विश्व फार्मासिस्ट दिवस को यादगार बना दिया। गीतांजलि ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं वाइस प्रेसिडेंट ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर कॉलेज एवं हॉस्पिटल के समस्त फार्मासिस्टों को बधाई संदेश प्रेषित किया।

मुबारक खान राजड़ को सांचौर मुस्लिम समाज का अध्यक्ष चुना गया

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। दस्तगीर मुस्लिम मुसाफिरखाना न्यू बस स्टैंड के सामने आम मुस्लिम समाज की पूर्व प्रधान डॉक्टर

शमशेर अली सैयद कमलापुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें आम मुस्लिम समाज ने भारी संख्या में बैठक में उपस्थित होकर समाज की एकता और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के साथ शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसको लेकर सर्व सम्मति से निर्विरोध निर्वाचित मुबारक खान राजड को मुस्लिम समाज का अध्यक्ष चुना गया। शिक्षा के क्षेत्र में पिछडे मुस्लिम वर्ग को ज्यादा से ज्यादा बच्चों में शिक्षा को लेकर चर्चा की गई। पूर्व प्रधान डॉक्टर शमशेर अली सैयद ने समाज में आपसी एकता और शिक्षा के प्रसार पर बल देने की अपील की है, नव निर्वाचित अध्यक्ष मुबारक खान राजड ने कहा है कि वह समाज की बेहतरीन शिक्षा और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। इस मौके पर ठाकुर समीम खान लाछड़ी, एडवोकेट इब्राहिम शाह, नाजिमें आला नबी बख्श पीर की जाल, एडवोकेट हनीफ खान, सरपंच तालिब खान, जलील खान हिंगोरजा, उप प्रधान गनी खान, अशरफ भाई बेहलिम, हाजी बरकत भाई बेहलिम, मौलाना हासम साहब, ठाकर रहीम खान, अध्यक्ष इकबाल खान दहिया दस्तगीर मुस्लिम मुसाफिरखाना, सरवरी युवा संगठन जिलाध्यक्ष महबूब शाह, जाकिर हुसैन ब्लॉक अध्यक्ष, रोशन खान समेजा, पटेल मोहम्मद शाह, ऊका खान सचिव दरगाह कमेटी पीर की जाल, उर्स खान पावठा, इमाम बक्स राजड, पार्षद प्रतिनिधि सलीम खान दहिया, हमीद खान भलाइयां, मंजूर शाह, कुर्बान अली समेजा होटल, नजीर शाह, नसीब शाह, बाबू खान मुस्लिम मुसाफिरखाना, हाजी खान सहित कई युवा और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रतापपुरा बालिका उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूल की बेटियां अब बालवाहिनी से पहुंचेगी विद्यालय, भामाशाह ने भेंट की बस

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। निजी विद्यालय में बच्चों को स्कूल लाने व घर तक पहुंचाने के लिए बाल वाहिनियों की व्यवस्था के बारे में तो सभी अवगत हैं,लेकिन जालौर

जिले के सांचौर के प्रतापपुर गांव के अब सरकारी विद्यालय की बेटियों के लिए भामाशाह ने स्कूल बस भेंट की है इस बस पर होने वाला समस्त वह भी भामाशाह ही उठाएंगे। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर प्रथम में एक ऐसा कार्य हुआ जिसने यह साबित कर दिया कि जब समाज प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर शिक्षा के लिए आगे आते हैं तब बदलाव की बाजार नजर आती हैं भामाशाह जितेंद्र कुमार चौधरी व तुलसाराम चौधरी ने विद्यालय की बेटियों को सुरक्षा स्कूल तक पहुंचाने के लिए नि:शुल्क बाल वाहिनी बस भेंट की है यह राजस्थान का ऐसा सरकारी विद्यालय बन गया जहां बालिकाओं को सुरक्षित और नि:शुल्क परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे वह दूर दराज के गांव से भी बेटियां आसानी से पढ़ाई के लिए विद्यालय आ सकेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जीवाराम चौधरी के आतिथ्य में बस विद्यालय को भेंट की गई। उन्होंने विधायक मद से दो नए कक्षा का शिलासन भी किया,उन्होंने घोषणा की विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में कुलर, टीवी,कंप्यूटर उपलब्ध करवाए जाएंगे। और प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को 11,111 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर दौलत राम चौधरी ने कहा कि बेटियां दो घरों का नाम रोशन करती है आज के वैज्ञानिक युग के स्मार्ट शिक्षा मंदिर ही भविष्य गढ़ सकते हैं। भामाशाह मोतीराम चौधरी ने विद्यालय की बस का पूरा खर्च स्वयं वहन करने और भविष्य में छात्राओं की संख्या बढ़ने पर एक और नई बस उपलब्ध करवाने की घोषणा की हरचंद पुरोहित ने चार दीवारी निर्माण का वादा किया तो सरपंच प्रतिनिधि ने फर्नीचर देने की घोषणा कर सहयोग की नई मिसाल पेश की विद्यालय के प्रधानाचार्य नारायण लाल बिश्नोई ने बताया कि वर्ष 2024-25 में विद्यालय ने 51% नव प्रवेश नामांकन कर सांचौर तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया है यह उपलब्धि विद्यालय के मेहनती स्टाफ और समाज के सहयोग का नतीजा है कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापक हरिराम चौधरी ने किया और अंत में सभी ने मिलकर संकल्प लिया प्रतापपुर की बेटियां अब शिक्षा संस्कार और तकनीकी ज्ञान में सबसे आगे रहेगी।

जिले की लालासर गांव में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का हुआ अनावरण

-भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, डीडीपीआर कुमार अजय, रोनी रमन सहित अतिथि रहे मौजूद

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले के लालासर गांव में रविवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में शहीद भगतसिंह ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा

भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, डीडीपीआर कुमार अजय, रोनी रमन, जेकेटी फौजी, धर्मवीर जाखड़, विक्की दूधवा सहित अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह के पौत्र यादवेन्द्र सिंह संधू ने कहा कि शहीद भगत सिंह हर विचार—हर संघर्ष में जिंदा हैं। भगत सिंह केवल मेरे परिवार का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष की आत्मा हैं। भगत सिंह के आदर्शों से आज की युवा पीढ़ी में जूनून, जज्बा और जोश भारत की आत्मा व गौरव को जिंदा रखता है। उन्होंने कहा कि गांव के युवाओं द्वारा उनके आदर्शों पर चलकर प्रतिमा स्थापना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा देगी। हम सभी भारत को सच्चे आदर्शों पर आगे बढ़ाएं और आजादी के लिए उनके बलिदान को साकार करें। हम उनके विचारों, साहस और बलिदान को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा के साथ सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संकल्प लें। संधू ने चूरू की धरा को आजादी के आंदोलन की प्रेरक भूमि बताते हुए कहा कि चूरू में तो आजादी से 17 वर्ष पहले ही स्वामी गोपालदास के साथियों ने तिरंगा फहरा दिया दिया। राजस्थान त्याग और बलिदान की भूमि है वीर तेजाजी के त्याग और महाराणा प्रताप के स्वतंत्रता संघर्ष से भारत प्रेरित होता है। जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने कहा कि हमें शहीद भगत सिंह के आदर्शों पर चलकर भगत सिंह के सपनों का भारत बनाना है। भगत सिंह के विचार नई पीढ़ी को देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भगत सिंह के विचारों व आदर्शों की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है। देशभक्ति गायक रोनी रमन ने संस्कारवान शिक्षा की बात कही और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। युवा लेखक व डीडीपीआर कुमार अजय ने कहा कि "शहीद भगत सिंह ने जिस उम्र में अपने प्राण राष्ट्र के लिए न्योछावर कर दिए, उस उम्र में आज के युवा अपने जीवन की दिशा खोज रहे होते हैं। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को आत्मसात करें — क्रांति केवल हथियारों से नहीं, विचारों से आती है।" उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में तार्किक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हों तथा ऐसे बेहतर राष्ट्र की तरफ बढ़ें जिसमें बिना जाति—धर्म के समाज बनें और सामाजिक व मानवीय भावना साकार हो।

69 वीं जिला स्तरीय बालिका तैराकी स्पर्धा में फलक, साराह, सुमेय्या ने जीता गोल्ड मेडल

-सादिया ने कराटे में जीता गोल्ड मेडल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर 69 वीं जिला स्तरीय बालिका स्पर्धा में एजुकेशन एरा एकेडमी सेकेंडरी स्कूल की बालिकाओं ने दूसरी बार तैराकी और कराटे में जीते गोल्ड मेडल्स तैराकी में बालिका वर्ग अंडर 19 फ्री स्टाइल में फलक अंसारी ने प्रथम, अंडर 17 फ्री स्टाइल में साराह अंसारी ने में प्रथम और अंडर 17 में सुमय्या अंसारी ने ब्रेस्ट स्ट्रोक प्रथम प्राप्त किया। 69 वीं जिला स्तरीय बालिका कराटे में 65 + KG में एजुकेसन एरा एकेडमी सेकेंडरी स्कूल की सादिया अंसारी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। रतनगढ़ की मारुति पब्लिक स्कूल में खेली गई 69वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता मे बालिका वर्ग तैराकी मे 50 मीटर फ्री स्टाइल और ब्रेस्ट स्ट्रोक में चूरू जिले की एजुकेशन एरा एकेडमी माध्यमिक विद्यालय की छात्राए फलक अंसारी, साराह अंसारी और सुमय्या अंसारी ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया इस मौके पर पीयूष कुमार, नाहिदा, अरबाज खान, मुहम्मद मुबारिक, सुश्री संगीता, लुकमान अंसारी, शाहीन बानो, सना, मुहम्मद समीर और मुहम्मद असलम मौजुद रहे।

फलक अंसारी

साराह अंसारी

सुमेय्या अंसारी

सादिया अंसारी

सांचौर को जिला बनाने की मांग शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर को पुन: जिला बनाने की मांग को लेकर शिवसेना (उद्धव) जालौर इकाई ने जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित के नेतृत्व में पदाधिकारी,कार्यकर्ताओं सांचौर, बागोड़ा, चितलवाना,रानीवाड़ा क्षेत्र के ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने सांचौर को पुनः जिला बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि जालौर मुख्यालय से सांचौर की दूरी 150 किलोमीटर है सीमांत वह अंतरिक क्षेत्रो के लोगों को छोटी-छोटी सेवाओं के लिए भी लंबी यात्रा करनी पड़ती हैं गुजरात सीमा से लगे इस संवेदनशील इलाके में आपदा प्रबंधन स्वास्थ्य शिक्षा सिंचाई कानून व्यवस्था की दृष्टि से जिला स्तरीय ढांचा अनिवार्य बताया गया है ज्ञापन में बताया कि बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाओं से प्रभावित इस क्षेत्र में त्वरित राहत एवं बचाव के लिए स्थानीय जिला संस्था होनी चाहिए, प्रतिनिधिमंडल ने कहा है कि सांचौर से जिला दर्ज़ा हटाए जाने के बाद लगातार बाजार बंद स्कूल बंद और जन आंदोलन से जनता का असंतोष सांफ़ झलकता है शिव सेवा ने चेताया की राजनीतिक करणों से आमजन को दंडित करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ज्ञापन में बताया कि सांचौर को तत्काल प्रभाव से जिला घोषित किया जाए। सांचौर के नेहड़ क्षेत्र से जालौर जिले की दूरी अधिक है जिसकी वजह से प्रतिदिन लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर नहीं पहुंच पाते हैं जल्दी ही कार्य हो सांचौर जिला होने से आमजन को सुचारू सेवा मिल सके।

हज़रत दीवाना शाह की दरगाह में चांद रात पर उमड़े जायरीन

मोहम्मद यासीन

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह

साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रबिउलआखिर की चाँद रात पर उमड़े जायरीने दीवाना। दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार मंगलवार सांयकाल चाँद के दीदार करते ही नारो से दरगाह परिसर गूंज उठा। आस्ताना ए आलिया मे दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे लगी। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर अस्थाई दुकाने लगी। अहाता ए नूर मे दिनभर महफिले मिलाद का प्रोग्राम हुआ व कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी। मिन्नत के धागे बाधने व मिन्नत पूरी होने पर अपने बच्चो व बड़ो को गुड़, खोपरा, सूखामेवा व फल-फ्रूट से तोला। चिराग अगरबत्ती के समय फातिहा पढ़ी गई जिसमे अल्लाह के प्यारे रसूल एवं औलिया ए कराम के वसीले से मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ के साथ बिमारी से शिफा याबी, घरो मे खैरो बरकत की दुआ की गई तो पुरा दरगाह परिसर आमीन-आमीन की सदाओं से गूंज उठा।

डॉ. अभिषेक कुमार ने एआईआईएमएस ऋषिकेश में प्रस्तुत किए राष्ट्रीय शोध निष्कर्ष

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के सामुदायिक

चिकित्सा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक कुमार ने 16 सितम्बर को एआईआईएमएस ऋषिकेश में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने शोध "भारत में बच्चों में ठिगनेपन (Stunting) की कमी के कारण" पर प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में उत्तराखंड के माननीय स्वास्थ्य मंत्री और राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। डॉ. कुमार इस शोध परियोजना में सह-अन्वेषक रहे और उन्होंने उस राष्ट्रीय टीम में भी योगदान दिया जिसकी रिपोर्ट बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC), भारत सरकार द्वारा प्रकाशित की गई।

विद्यालय में 30 वाटर कैम्पर भेंट किए गए

-इंसानियत एकता सेवा समिति ने इंसानियत का फर्ज निभाया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रविवार को

इंसानियत एकता सेवा समिति की तरफ से राजकीय अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में वाटर कैम्पर भेंट किए गए। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि विद्यालय में 30 वाटर कैम्पर की आवश्यकता थी, जिसको समिति द्वारा पूरा किया गया। इस दौरान रियाज अहमद खान, डॉ. शाहरुख खान, जाफर खान, सलमान खान, आमीन खान, वसीम अली, मो. रफीक राजगढ़िया, इमरान बी खान, असलम खान, सुलेमान मनिहार, यूसुफ खान, जुबेर खान, निरंजन कुमार, रतनलाल, अजीज खान, शाहिद खान, महबूब खान, शाहरुख मनिहार आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य नियाज मोहम्मद ने समिति का आभार जताया।

सानिया खान का पुणे महाराष्ट्र मेडिकल कॉलेज में चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित वन विहार कॉलोनी की साजिया खान पुत्री खुर्शीद आलम खान पौत्री हाजी सलेमुदीन खान जमालखानी राणासर रिटायर्ड सीआरआई ने सी-बी-एस-ई. परिक्षा सिनियर सेकेन्डरी 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किया व नीट परिक्षा 2025 में सफता प्राप्त कर एम-सी-एस-सीस मैडिकल कॉलेज छागा पूना महाराष्ट्र में एम-बी-बी-एस के लिए चयन हुआ है। साजिया खान के दादा सलामुद्दीन खान ने बताया कि घर में खुशी का माहौल है हमारी पोती डॉक्टर बनेगी और

गांव और परिवार का नाम रोशन करेगी।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - **8058969180/9799559096**

यूनानी चिकित्सा मे मिज़ाज़ और इसका महत्व

Temperament and Its Importance in Unani Medicine

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनानी चिकित्सा पद्धति (Unani Medicine) : यूनानी चिकित्सा लगभग 2500 साल प्राचीन स्वास्थ्य विज्ञान है, जो स्वास्थ्य -Health, और मर्ज-Disease दोनों की स्थिति का गहन अध्ययन करती है यूनानी चिकित्सा ग्रीस चिकित्सा के जनक बुकरात -हिप्पोक्रेट्स 460-370 ईसा पूर्व और रोमन चिकित्सक जालीनूस -गैलन 129-216 ईस्वी की शिक्षाओं पर आधारित है।

यूनानी के सिद्धांत और अवधारणाएँ : Concepts & Fundamental Principle of Unani Medicine :

यूनानी चिकित्सा पद्धति का मूल सिद्धांत हिप्पोक्रेट्स के प्रसिद्ध चार द्रव्य सिद्धांत-The Four Humours Theory पर आधारित है। इस सिद्धांत के अनुसार कायनात की हर एक चीज, वायुमंडल, वनस्पति, इंसान, गिज़ा,अदविया वगैरा चार तरह के अरकान या तत्व -Elements से मिलकर बनी होती है, ये अरकान मिट्टी-Solid, पानी- Liquid, हवा-Gas और आग-Plasma होते है मिट्टी का मिज़ाज (सर्द और खुश्क), पानी (सर्द और तर), हवा (गर्म और तर), आग (गर्म और खुश्क) होता है बुकरात के अनुसार इंसानी ज़िस्म में चार तरह के अखलात या खिल्त -Body Fluids होते हैं ये अखलात, खिल्त ए दम- Blood, खिल्त ए बलगम -Mucus, खिल्त ए सफ़रा-Yellow Bile, खिल्त ए सौदा- Black Bile होते है खिल्त ए दम का मिज़ाज़ (गर्म और तर), बलगम (सर्द और तर), सफ़रा (गर्म और ख़ुश्क), सौदा (सर्द और ख़ुश्क) होता है।

मिज़ाज़ (Temperament) :

दो या दो से ज्यादा अरकानों के आपस मे मिलने से जो के कैफ़ीयत पैदा होती है उसे मिजाज कहते हैं,इंसानी ज़िस्म मे तरल पदार्थों (अखलात) के विरोधी गुणों की क्रिया और प्रतिक्रिया के माध्यम से परस्पर क्रिया से पैदा होता है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में चारों अरकान और अखलात के मिज़ाज़ के आधार पर इंसान, अदविया, गिज़ा और मर्ज को भी चार मिज़ाज़ में तकसीम किया गया है। गर्म और खुश्क, गर्म और तर, सर्द और तर, और सर्द और खुश्क।

यूनानी चिकित्सा और मिज़ाज़ : Unani Medicine & Temperament :

यूनानी चिकित्सा पद्धति में इंसान के मिज़ाज को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है, यूनानी चिकित्सा मिज़ाज़ के संतुलन पर निर्भर है, अगर मिज़ाज़ में कोई बदलाव होता है या संतुलन किसी भी तरह से गड़बड़ा जाता है तों इंसानी ज़िस्म मे कोई मर्ज या जीवन को खतरा हो सकता है. मिज़ाज़ के असंतुलन को मिज़ाजे ग़ैर मुतादिल या सूए मिज़ाज (असमान या असंतुलित मिज़ाज़) कहते है। यूनानी चिकित्सा के मुताबिक इंसान और मर्ज के चार तरह के मिज़ाज होते है।

दमवी -Sanguine :

यह मिज़ाज़ Hot & Wet यानि गर्म और तर होता है इसका तालुक इंसानी ज़िस्म के खिल्त ए खून-Blood से, अरकान - Air Element/ Gas से,बसंत के मौसम-Spring Season से और जिगर व दिल आज़ा- Organs से होता है,दमवी मिज़ाज़ का इंसान बहुत ज्यादा जोशीला,फुर्तीला, ऊर्जावान, आशावादी - Hopeful,मिलनसार-Sociable, बातूनी-Talker,मज़ाकी-Funny और आत्मविश्वासी -Self Confident वाला होता है,दमवी मिज़ाज़ मे मरीज का चेहरा व आँखों का रंग सुर्ख, मुँह का स्वाद मीठा,पूरे बदन में दर्द व जकड़न, सर दर्द व सर्दी के साथ बुखार, पेशाब गर्म और सुर्ख, नब्ज़ तेज व सख्त, खून की गर्मी की वजह से ज़िस्म मे फोड़ा- फुंसियां निकलती है,मरीज को गर्मी, भूख और प्यास ज्यादा लगती है, गर्म चीजे खाने से परेशानी होती है और ठंडी चीजों से आराम मिलता है, आंखों में नींद रहना लेकिन नींद न आने के अलामात नजर आते हैं, दमवी मिज़ाज के मर्ज मे हाइपरटेंशन (ज़िगतुद्दाम क़वी), नकसीर आना, कूबा, खुनी बवासीर, पित्ती उछलना (शिरा), माइग्रेन, सोरायसिस, एक्जिमा,सुदाअ दमवी वगैरा शामिल है।

बलगमी- Phlegmatic :

यह मिज़ाज Cold & Wet यानि सर्द और तर होता है इसका तालुक इंसानी ज़िस्म के खिल्त ए बलगम- Mucus से, अरकान- Water Element / Liquid से, सर्दी के मौसम-

Winter Season से और दिमाग़ व फेफड़े आज़ा- Organs से होता है,बलगमी मिज़ाज़ का इंसान बहुत ज्यादा सुस्त, शांत-Peaceful, भावहीन-Emotionless, चुप-Quiet, शर्मिला- Shy, आरामदायक-Lazy, आवेगहीन- Impassive, उदासिन व्यवहार - Opathetic Behavior और तनावमुक्त - Stress Free वाला होता है,बलगमी मिज़ाज के मरीज के चेहरे की रंगत सफेद माइल होती है, ज़िस्म मे ठंडक महसूस होती है,मुँह का स्वाद फीका, प्यास व भूख कम, नींद ज्यादा, पेशाब गाढ़ा व सफ़ेद, काम करने मे अरुचि, मुँह मे बार - बार पानी आना, अंगड़ाई और जम्हाई (उबासी) बहुत आना, ठंडी चीज खाने से परेशानी और गर्म चीज खाने से आराम मिलता है, नब्ज कमज़ोर व हल्की होने के अलामात नज़र आते है बलगमी मिज़ाज के मर्ज मे दमा और नज़ला-ज़ुकाम, बलगमी खांसी, सर्दी-जुकाम, गले में खराश या टांसिल में सूजन, लक़वा, फालिज़, मोटापा, बर्स, कब्ज, गैस और भूख न लगना, सुदाअ बलगमी वगैरा शामिल हैं।

सफरावी- Choleric:

यह मिज़ाज Hot & Dry यानि हार और खुश्क़ होता है इसका तालुक इंसानी ज़िस्म के खिल्त ए सफरा- Yellow Bile से, अरकान- Fire Element/ Plasma से, गर्मी के मौसम- Summer Season से और तिल्ली, लिवर व पित्ताशय आज़ा- Organs से होता है, इस मिज़ाज़ का इंसान अधिक महत्वाकांशी, ऊर्जावान, नकारात्मक, चिड़चिड़ा- Irritable, क्रोधी-Anger, तनाव- Depression, डरपोक - फियर, पाखंडी- Doer और भावनात्मक- Emotional वाला होते है, सफरावी मिज़ाज के मरीज़ के चेहरे, आंखों की रंगत ज़र्द होती है, मुँह का स्वाद कड़वा, ज़ुबान खुश्क़, प्यास ज्यादा लगना, हल्की हल्की सर्दी के साथ बुखार का अहसान होना, उल्टियां की शिकायत रहती है नींद कम आती है डरावने सपने आते हैं, भूख प्यास ज्यादा लगती है ठंडी चीज पसंद होती है गर्म चीजों खाने से एसिडिटी बनती है ज़िस्म मे बेचैनी, गर्मी बहुत ज्यादा लगती है सर दर्द मरीज की नब्ज़ कमजोर और धीमी, पेशाब पीला, गर्म और गंधयुक्त आना, लिवर के बढ़ने के अलामात नज़र आते है सफरावी मिज़ाज़ के मर्ज मे यरकान (पीलिया), वरमे जिगर, जोफे जिगर,खून की कमी, सुदाअ सफ़रावी वगैरा शामिल है।

खिल्त ए सौदा-

Black Bile से, अरकान- Soil Element/ Solid से,पतझड़ के मौसम- Autumn Season से और तिल्ली, अधिवृक्क ग्रंथियों का मज्जा- The medulla of the adrenal gland आज़ा- Organs से होता है इस मिज़ाज़ का इंसान उदासीन - Sad/ Moody, चिंताजनक- Serious, निराशावादी- Pessimist, तनाव- Depression वाला होता है, सौदावी मिज़ाज के मरीज का चेहरा के रंग स्याह, ज़ुबान मैली, तिल्ली का बढ़ना, हर वक्त बुखार,बे-ख़्वाबी रहना यानि नींद कम और डरावनी सपने आना, मरीज बहुत ज्यादा फिकमंद होता है और तनहा रहना पसंद करता है, शरीर में खुश्की की वजह से फोड़ा-फुंसी निकलने लगती हैं मरीज को ठंडी चीज पसंद होती है गर्म चीज खाने से एसिडिटी होने लगती है पेशाब हल्का स्याह रंग का, नब्ज़ सुस्त और सख्त होने के अलामात नजर आते है, सौदावी मिज़ाज़ के मर्ज में मालिखोलिया, जूनून, काबूस (नाइट मेयर), सुदाअ सौदावी वगैरा शामिल है।

डॉ. मोहम्मद रोशन
वरिष्ठ यूनानी चिकित्सा अधिकारी

राजस्थान वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में पीठासीन अधिकारी मेडिकल अवकाश पर

- वक़्फ़ बोर्ड में सम्पदा अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने से हज़ारों पक्षकारों को तारीख पे तारीख

अख्तर खान अकेला

जयपुर। राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड ट्रिब्यूनल और वक़्फ़ सम्पदा अधिकारी के विवादों के निस्तारण के लिए कुछ दिनों से तारीख पे तारीख की व्यवस्था से राजस्थान भर के हज़ारों, हज़ार पक्षकार दुखी है। वक़्फ़ बोर्ड गंभीर नहीं। वक़्फ़ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद नक़वी इस मामले में पेश कर सकते है हाईकोर्ट में जनहित याचिका । राजस्थान वक़्फ़ सम्पत्ति और वक़्फ़ प्रबंधन से उपजे विवादों के सैकड़ों विवाद निस्तारण के इन्तिज़ार में हैं । राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड ट्रिब्यूनल में पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति तो हुई है, लेकिन मेडिकल ग्राउंड पर वह अवकाश पर है, जबकि सम्पदा अधिकारी की तो काफी महीनों से नियुक्ति ही नहीं हुई है। ऐसे में वक़्फ़ ट्रिब्यूनल और सम्पदा अधिकारी के समक्ष विचाराधीन सैकड़ों मुक़दमों का निस्तारण होने की जगह तारीख पे तारीख ही मिल रही है। बार एसोसिएशन वक़्फ़ जयपुर के अध्यक्ष अब्दुल वहीद नक़वी इस मामले में गंभीर हैं। उन्होंने सम्पदा अधिकारी की नियुक्ति और वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर रहने के दौरान लिंक कोर्ट को सुनवाई का कार्यभार देने के मामले में माननीय राजस्थान उच्च न्यायलय के समक्ष ज्ञापन भी दिया है। राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड कार्यालय में स्थित,, वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में राजस्थान भर की वक़्फ़ सम्पत्ति के वाद विवादों का निस्तारण को लेकर सुनवाई होती है। वहां वक़्फ़ प्रबंधन में पक्षपात, मनमानी वक़्फ़ क़ानून के उलंग्घन और वक़्फ़ सम्पत्तियों के विवादों के निस्तारण के लिए सैकड़ों मामले सुनवाई के लिए नियत हैं। पिछले काफी समय से वहां पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति तो हुई है, लेकिन उनके

मेडिकल कारणों से अवकाश पर रहने के कारण कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई अटकी पढ़ी है। इसका नुकसान राजस्थान भर की वक़्फ़ सम्पत्तियों के विवादों के निस्तारण के लिए उम्मीद लगाए बैठे वादी और प्रतिवादि। जबकि सम्पदा अधिकारी का पोस्टिंग है। ही नहीं, वहां भी, वक़्फ़ सम्पत्ति अतिक्रमण, क़ब्ज़ा लेने जैसे कई विवाद पेंडिंग है। जब पुराने विवादों का ही निस्तारण तारीख पे तारीख की परिपाटी की भेंट चढ़ा है, तो फिर नए मुक़दमों के दर्ज होने, कोई आदेश होने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं हो पा रहा है।

यह सब इस पर है के वक़्फ़ बोर्ड में एक तो विधायक है, जिन्होंने इस मामले में आज तक विधानसभा में कोई प्रश्न ही नहीं उठाया, कोई डिमांड ही नहीं की,, एक प्रशासनिक अधिकारी है, जिन्होंने सरकार को इस तकलीफ से आगाह ही नहीं कराया,, एक बार कौंसिलर है जिन्होंने राजस्थान हायकोर्ट जज से सीधे मुलाक़ात कर वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में नियमित रोज़मर्रा सुनवाई हो और अवकाश की स्थिति में उक्त वक़्फ़ बोर्ड ट्रिब्यूनल का लिंक किसी सक्षम अधिकारी को निस्तारण के अधिकारों के साथ विधि अनुसार दिया जाए, इस मामले में कोई खास क़दम नहीं उठाया है। वक़्फ़ बोर्ड ने पूर्व में आयोजित वक़्फ़ बोर्ड की बैठकों में इस समस्या पर कोई प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार और माननीय राजस्थान हाईकोर्ट को प्रस्ताव भेजकर इस समस्या के समाधान का प्रयास ही नहीं किया है।

खेर राजस्थान भर के दूर दराज़ ज़िलों की वक़्फ़ सम्पत्तियों के विवादों के निस्तारण के इन्तिज़ार में बैठे आम लोगों को जो नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई तो सम्भव नहीं है। लेकिन वक़्फ़ बोर्ड ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। अब्दुल वहीद नक़वी अध्यक्ष वक़्फ़ बार एसोसिएशन जयपुर ने इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट को पत्र लिखकर इस समस्या के समाधान की आवाज़ बुलंद की है, जबकि आवश्यकता पढ़ने, पर वक़्फ़ सम्पदा अधिकारी की नियुक्ति किये जाने और वक़्फ़ ट्रिब्यूनल में नियमित सुनवाई, उपस्थिति और किसी अवकाश की मजबूरी पर, लिंक जज की नियुक्ति को लेकर माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका पेश करने का निर्णय भी ले लिया है। वक़्फ़ बोर्ड बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद नक़वी वक़्फ़ सम्पत्ति के विवादों के निस्तारण मामलों के अधिवक्ताओं की राजस्थान के हर जिले, हर नगर क्षेत्र में भी हर जिला स्तर पर जिला, क़स्बा स्तर पर एडवोकेट प्रतिनिधि पदाधिकारियों की नियुक्ति की योजना बना रहे है ताकि समस्त राजस्थान के हर ज़िले में वक़्फ़ मामलों से जुड़े अधिवक्ताओं को भी इस वक़्फ़ बार से जोड़ कर क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान और विचार विमर्श के लिए ज़िम्मेदारों की टीम बनाई जा सके,,, अब्दुल वहीद नक़वी राजस्थान बार कौंसिल अनुशासन समिति के सहवृत सदस्य भी रह चुके है, वे अपने वकील साथियों की टीम के साथ, आम जनता की जनहित योजनाओं के लिए क़ानूनी व्यवस्था, समाजसेवा के मदद के जज़्बे के साथ संघर्ष करते रहे हैं।

सात सौ किलोमीटर दूर गए प्रिंसिपल: अलवर से बाड़मेर तक भेजा

- 1300 प्रिंसिपल का बिना आवेदन ट्रांसफर, देने होंगे भत्ते

बीकानेर (रॉयल पत्रिका) । शिक्षा विभाग ने एक ही आदेश में साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए तो राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा उथल-पुथल हुई। जयपुर सहित राज्यभर के सैकड़ों टीचर्स को दो सौ से पांच सौ किलोमीटर लंबी दूरी तय करके अब नए स्थान पर काम करना होगा। ये किसी के लिए सजा साबित हुई है तो किसी के लिए राहत भरा आदेश है। दरअसल, विभाग ने उन टीचर्स को यात्रा सहित अन्य भत्ते देने पड़ रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन ही नहीं किया था। ऐसे प्रिंसिपल को हटाकर डिजायर वाले प्रिंसिपल को लगाया गया है। इस तबादला आदेश में राजस्थान के उन जिलों से भी प्रिंसिपल हट गए हैं, जहां से आमतौर पर ट्रांसफर अन्य जिलों में नहीं होते। डार्क जोन कहे जाने वाले पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पोस्टिंग करवाने के बाद प्रिंसिपल सहित अन्य टीचर्स वापस अपने गृह जिलों में चले जाते हैं। ऐसे में यहां पद फिर से रिक्त रह जाते हैं। इनमें जैसलमेर, बाडमेर, बांसवाड़ा, जालौर, सिरोही, बीकानेर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां और झालावाड़ है। यहां से बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को फिर से उनके गृह जिलों में भेज दिया गया है। जिससे सीमावर्ती जिलों में स्कूल फिर से खाली हो गए।

जैसलमेर में कम हो गए 11 प्रिंसिपल-

जैसलमेर में कुल 96 प्रिंसिपल के ट्रांसफर हुए। इससे यहां 11 स्कूलों में अब प्रिंसिपल नहीं रहे दरअसल, जैसलमेर से जैसलमेर में तो महज बीस ही ट्रांसफर हुए हैं। शेष 74 प्रिंसिपल को जैसलमेर से अन्यत्र भेज दिया गया। सिफारिश और डिजायर के आधार पर ये प्रिंसिपल अपने-अपने गृह जिलों में चले गए। वहीं अन्य जिलों से जैसलमेर में भी तबादले हुए इससे ये संख्या बढ़कर 85 तक पहुंची, लेकिन 11 स्कूल फिर भी बिना प्रिंसिपल के रह गए। कमोबेश ऐसे ही हालात अन्य जिलों के भी है।

भरतपुर से छह सौ किलोमीटर दूर बांसवाडा ट्रांसफर-

बांसवाड़ा को इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। यहां से 72 प्रिंसिपल का ट्रांसफर हुआ लेकिन 79 की पोस्टिंग हुई। 92 में से 53 को तो बांसवाड़ा से बांसवाड़ा में ही इधर-उधर किया गया था। वहीं अन्य जिलों से भी 39 प्रिंसिपल को बांसवाड़ा में लगाया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर से तीन प्रिंसिपल का ट्रांसफर साढ़े छह सौ किलोमीटर दूर बांसवाड़ा में किया गया है।

सात सौ किलोमीटर दूर से बाड़मेर ट्रांसफर-

कभी डार्क जोन में रहे बाडमेर को भी इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। दरअसल, यहां से 102 प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए गए हैं। जिसमें 37 को बाड़मेर में ही लगाया गया लेकिन 65 प्रिंसिपल बाडमेर छोड़ अपने गृह जिलों में या फिर सुविधाजनक जिलों में चले गए। वहीं बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को अन्य जिलों से बाड़मेर भेजा गया है इसमें सर्वाधिक नागौर से बीस प्रिंसिपल साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर बाड़मेर भेजे गए हैं। चार प्रिंसिपल को तो अलवर से बाड़मेर भेजा गया है। दोनों जिलों के बीच सात सौ किलोमीटर की दूरी है करीब चार सौ किलोमीटर दूर अजमेर से भी सात प्रिंसिपल को बाडमेर भेजा गया है।

बिना आवेदन प्रति प्रिंसिपल एक लाख का खर्च-

अगर किसी प्रिंसिपल को सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है। ऐसे प्रिंसिपल को नए पोस्टिंग स्थल पर जाने के लिए दस दिन की छुट्टी के रुपए, चार जनों के टिकट, करीब बीस हजार रुपए ट्रक ट्रांसपोर्ट के रुपए देने पड़ते हैं। इनके अलावा भी कई छोटे बड़े खर्च को मिलाकर एक लाख रुपए का सरकार को भुगतान करना पड़ता है।

शिक्षा के अधिकार के खिलाफ एंट्रेंस टेस्ट

-छठवीं का छात्र पहुंचा कोर्ट

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। नई दिल्ली के 11 साल के छठवीं कक्षा के छात्र जनमेश सागर ने मुख्यमंत्री श्री स्कूलों में छठवीं, सातवीं और आठवीं कक्षा में दाखिले के लिए जरूरी एंट्रेंस टेस्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। छात्र ने याचिका दायर कर कहां है कि यह टेस्ट बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने के अधिकार अनुच्छेद (21-ए) का उल्लगन करता है। बता दें कि दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री श्री स्कूल योजना शुरू की गई है।

सात शिक्षक बर्खास्त, 15 वर्षों से गायब थे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को 15 वर्षों से गैर हाजिर 7 शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया। इनमें 6 शिक्षिकाएं हैं। हर साल इनको नोटिस जारी किए गए, लेकिन जवाब नहीं मिला। दो दिन पूर्व संयुक्त निदेशक अनिल शर्मा ने 6 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों से सूची मांगी थी। यह सूची शुक्रवार सुबह विभाग को मिली। उसके बाद इन सभी को बर्खास्त करने के आदेश जारी कर दिए। यह आदेश सेवा अधिनियम वित्त विभाग की अधिसूचना 12 जनवरी 2017 के नियमों के तहत किए गए।

तीन शिक्षक सस्पेंड-

बांसवाड़ा। सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने पर तीन शिक्षकों को निलंबित किया गया है। अरथुना में हेरापाड़ा स्कूल के शंकर लाल डोडियार ने भारत में भी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात दिखाने के बाद कही थी। इसी तरह लाल सिंह चौहान और जिला मंत्री केशवराज पंचोली को भी निलंबित किया गया है।

रकमा की बैठक आयोजित

-हॉस्टल निर्माण और लाइब्रेरी स्थापना का लिया निर्णय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज कर्मचारी अधिकारी एसोसियेशन (रकमा) की ओर से जयपुर में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें रकमा प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद, पूर्व आईएएस एवं रकमा संरक्षक उमरदीन खान, पूर्व रकमा प्रदेश अध्यक्ष जाहिद अली सहित विभिन्न रकमा पदाधिकारीयों ने भाग लिया। बैठक में रकमा के विस्तार और मजबूती के उपाय करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जयपुर में हॉस्टल एवं लाइब्रेरी स्थापना के लिए प्रयास तेज करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में युवा पीढ़ी कों उच्च शिक्षा एवं कैरियर की ओर ले जाने वाले उपायों पर काम करने की सहमति बनी। उच्च शिक्षा और काम्पटीशन की तैयरी करने वाले युवाओं को जयपुर में उचित निवास एंव माहौल दिलाने के लिए प्रयास करने के लिए काम करने पर जोर दिया गया।

बैठक में अल्पसंख्यक प्रिसीपलों के शिक्षा विभाग में हुए तबादलों पर भी गौर किया गया। झुंझुनू के पूर्व कलेक्टर उमरदीन ने कहा कि राजनीति में दोनों ही दलों की सोच एक जैसी है। इसलिए समाज कों अपनी लीडरशिप स्वयं ख़डी करनी होंगी। समाज में सियासी एवं सामाजिक जागरूकता लाने के प्रयास करना जरूरी हो गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com